घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 190- मंगलवार 12 - मई 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सोमनाथ अमृतपर्व-2026 में प्रधानमंत्री ने किया प्रथम ज्योतिर्लिंग का पूजन...

मैं हजारों साल की आध्यात्मिक चेतना देख रहा हूं...

पीएम ने कहा- आज मैं 75 साल की झांकी नहीं देख रहा हूं। मैं देख रहा हूं विनाश में सृजन के संकल्प को। मैं यहां देख रहा हूं असत्य पर सत्य की विजय को। मैं यहां देख रहा हूं हजारों साल की आध्यात्मिक चेतना को। जिसने मानव मात्र के कल्याण के साथ समूचे विश्व को देखा। मैं देख रहा हूं भारत के अविनाशी स्वरूप को, जिसे सदियों के कुत्सित प्रयास भी नहीं मिटा सके। पीएम ने कहा- ये केवल अतीत का उत्सव नहीं है, अगले हजार साल के लिए भारत की प्रेरणा का महोत्सव भी है। सभी देशवासियों को इस महोत्सव की बहुत बधाई।

पीएम ने कहा-राष्ट्र जड़ों से जुड़ा रहे तभी मजबूत रह सकता है...

पीएम ने कहा...सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट से सैकड़ों परिवार जुड़े हैं। गुजरात के बाकी हिस्सों में भी लोग आते हैं। यह मंदिर हमें हमारी जीवन जीने का तरीका सिखाती है। हमारी आस्था नदियों में,वृक्षों में है। हम जंगलों को भी श्रद्धा की दृष्टि से देखते हैं। आज जब दुनिया प्राकृतिक जीवनशैली की तरफ लौट रही है तो हमें जागरूक होना होगा। हम ऐसा जीवन अपनाएं जिससे प्राकृतिक शैली की रक्षा हो। जब नई पीढ़ियां अपने इतिहास और मूल्यों से जुड़ती हैं तब राष्ट्र का आत्मबल और मजबूत होता है। आज देश आगे बढ़ रहा है। उसमें हमारी सांस्कृतिक विरासत की बड़ी भूमिका है। सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि कोई भी राष्ट्र तभी लंबे समय तक मजबूत रह सकता है जब वह जड़ों से जुड़ा रहे।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : पीएम मोदी

सोमनाथ अमृत महोत्सव पर डाक टिकट जारी किया

पूजा-अभिषेक के बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पीएम मोदी का सेरेमोनियल पगड़ी और खेस के साथ स्वागत किया। साथ ही उन्हें सोमनाथ मंदिर की एक फ्रेम की हुई तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया।

सूर्यकिरण टीम का एयर शो

सूर्यकिरण टीम के विमानों ने जामनगर वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी और लगभग 182 किलोमीटर की हवाई दूरी तय करके 18 मिनट के भीतर सोमनाथ पहुंचे। हॉक एमके-132 विमान उड़ाने वाले पायलट फॉर्मेशन और हवाई करतब दिखा रहे हैं।

जामनगर,11 मई 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। पीएम ने कहा...भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है। मैं भगवान सोमनाथ के चरणों में नमन करते हुए ऑपरेशन शक्ति की बधाई देता हूं। गुजरात के सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सोमनाथ अमृतपर्व-2026' के ऐतिहासिक समारोह में प्रधानमंत्री एवं सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र मोदी प्रभास पाटन पहुंचे और प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ का दर्शन-पूजन किया। इस दौरान भारतीय संस्कृति, आस्था और गौरव के प्रतीक भगवान सोमनाथ महादेव मंदिर में सोमवार को 'सोमनाथ अमृतपर्व-2026' पूरे मंदिर परिसर में शंख,डमरू और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बन गया।

भारत ने परमाणु परीक्षण किया तो दुनिया की आंखें लाल हो गईं...

पीएम ने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी विशेष है। 11 मई 1998 को यानी आज के ही दिन देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। देश ने 11 मई को पहले 3 परमाणु परीक्षण किए। हमारे वैज्ञानिकों ने भारत के सामर्थ्य को क्षमता को दुनिया के सामने रखा। दुनिया में तूफान आ गया। प्रधानमंत्री ने आगे कहा...दुनिया कहने लगी कि भारत, इसकी ये हैसियत...कौन होता है भारत जो परमाणु परीक्षण करे। दुनिया की आंखें लाल हो गईं। दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतरीं। भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए। जब दुनिया भर की बड़ी शक्तियां इतना बड़ा आक्रमण करें तो आगे के रास्ते दिखते नहीं हैं। लेकिन हम किसी और मिट्टी के बने हैं।

पीएम ने कहा...मैं यहां कई बार आया नतमस्तक हुआ

पीएम मोदी ने कहा,'आज हम उनके धाम के पुनर्निर्माण का उत्सव मना रहे हैं। जो हलाहल पीकर नीलकंठ हो गए आज उनकी ही शरण में सोमनाथ अमृत महोत्सव हो रहा है। ये उनकी ही लीला है।' मैं दादा सोमनाथ के भक्त के रूप में कितनी ही बार मैं यहां आया नतमस्तक हुआ। लेकिन आज समय की यह यात्रा सुखद अनुभूति दे रही थी। कुछ महीने पहले ही हम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मना रहे थे। आज आधुनिक स्वरूप की प्रतिष्ठा के 75 साल, हम केवल 2 आयोजनों का हिस्सा भर नहीं बने हैं। हमें हजार साल की अमृत यात्रा को अनुभव करने का शिवजी ने मौका दिया है।

देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं... सोना न खरीदें,विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं,नाकामी के सबूत : राहुल

नई दिल्ली,11 मई 2026। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ,पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ,मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।' उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें,क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।' पीएम मोदी रविवार को कहा था, 'आज के समय में पेट्रोल,गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं।' पेट्रोल,गैस और डीजल बचाने के लिए हमें वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है।

तेलुगु अभिनेता भरत कांत का सड़क हादसे में निधन

हैदराबाद,11 मई 2026। तेलुगु अभिनेता भरत कांत का हैदराबाद में हुए सड़क हादसे में निधन हो गया। हादसे के वक्त उनके साथ सिनेमैटोग्राफर जी साई त्रिलोक भी थे। इस दुर्घटना में उनकी भी मौत हो गई। पुलिस ने इसकी पुष्टि की। पुलिस के अनुसार, यह हादसा हैदराबाद के आउटर रिंग रोड पर आदिबतला पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ। एग्जिट 12 के पास अभिनेता की कार और एक ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हुई,जिसमें 31 वर्षीय भरत कांत और जी साई त्रिलोक की मौके पर ही मौत हो गई। भरत कांत मूल रूप से नेल्लोर के रहने वाले थे। वह अभिनेता होने के साथ-साथ डांसर और कंटेंट क्रिएटर भी थे।

बंगाल की भाजपा सरकार का फैसला : बीएसएफ को बांग्लादेश बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन मिलेगी

कोलकाता,11 मई 2026। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए बीएसएफ को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए 45 दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। हावड़ा के नाबन्ना में नवनिर्वाचित बीजेपी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। सीएम अधिकारी ने कहा कि यह फैसला बैठक में लिए गए मुख्य प्रस्तावों में से एक था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने राज्य में पुराने आईपीसी और CrPC की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता को लागू नहीं किया था। राज्य में अब बीएनएस लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्र सरकार की आयुष्मान

भारत और जन आरोग्य योजना भी पश्चिम बंगाल में भी लागू की जाएंगी। पहली कैबिनेट बैठक में मंत्री दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निषिथ प्रमाणिक, क्षुदीराम और अशोक कीर्तनिया मौजूद थे। अभी तक मंत्रियों को विभाग नहीं बांटे गए हैं। चुनावी हिंसा में मारे गए 321 बीजेपी कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसे 45 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना समेत केंद्र की सभी योजनाएं जल्द ही लागू होंगी। उज्ज्वला योजना से जुड़ी सभी लंबित याचिकाएं केंद्र के पास भेजी गई हैं। राज्य सरकार की नौकरियों में पांच साल का विस्तार दिया गया है। भारत, बांग्लादेश के साथ 4,097 किलोमीटर लंबी बॉर्डर शेयर करता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार लगभग 3,240 किलोमीटर की सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है और लगभग 850 किलोमीटर, जिसमें 175 किलोमीटर का दुर्गम भूभाग भी शामिल है, इस पर बाड़बंदी होनी बाकी है।

सीएम शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या के मामले में यूपी-बिहार से तीन आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता,11 मई 2026। पश्चिम बंगाल पुलिस ने सीएम शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश और बिहार से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी यूपी के बलिया और दो बिहार के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार मामले की जांच कर रही एसआईटी गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों को रात में ही कोलकाता लाई और सोमवार को इनकी पेशी बारासात कोर्ट में हो सकती है। मामले की जांच कर रही एसआईटी के अनुसार दो आरोपी बिहार के रहने वाले है जिनका नाम मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य है।

इसके साथ ही एक आरोपी बलिया का है और उसका नाम राज सिंह बताया जा रहा है। वहीं, मामले की जांच कर रही एसआईटी ने उत्तर प्रदेश में छापेमारी कर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। इनसे गहन पूछताछ की जा रही है और उम्मीद जताई जा रही है कि पूछताछ से हत्या की पूरी साजिश का खुलासा हो सकता है। चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में आरोपी इन लोगों को तब पकड़ा गया जब आरोपियों में से एक ने टोल प्लाजा पर यूपीआई के जरिए ऑनलाइन पेमेंट किया था। इससे पुलिस को उसकी लोकेशन का पता लगाने में मदद मिली।

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने किया विभागों का बंटवारा

कोलकाता,11 मई 2026। पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों के बीच पोर्टफोलियो के बंटवारे की खबर सामने आई है। दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पंचायत और पशुधन विभाग दिया गया है, जबकि अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। अशोक कीर्तनिया को खाद्य विभाग और खुदीराम टुडू को पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग दिया गया है। इसके साथ ही निसिथ प्रमाणिक

को उत्तर बंगाल विकास,खेल और युवा कल्याण विभाग सौंपा गया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने गृह विभाग अपने पास रखा है।

देश में पहली जुलाई से लागू होगा 'विकसित भारत-जी राम जी' अधिनियम, ग्रामीण परिवारों को मिलेगी 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली,11 मई 2026। केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास और रोजगार को नई दिशा देने के उद्देश्य से 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी विकसित भारत (वीबी) -जी राम जी अधिनियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। यह नया कानून 1 जुलाई 2026 से देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में लागू होगा और इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 निरस्त माना जाएगा। सरकार के अनुसार नए अधिनियम के तहत प्रत्येक ग्रामीण परिवार को, जिसके वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हैं, हर वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के वैधानिक

रोजगार की गारंटी दी जाएगी। वर्तमान में मनरेगा के तहत 100 दिनों के रोजगार का प्रावधान है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के बयान में कहा गया कि यह अधिनियम विकसित भारत@2047 के विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास को अधिक समेकित, उत्पादक और भविष्य उन्मुख बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। अधिनियम के तहत रोजगार की मांग करने वाले श्रमिकों को तय समय-सीमा के भीतर काम उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। निर्धारित अवधि में काम नहीं मिलने पर श्रमिक बेरोजगारी भत्ते के पात्र होंगे। सरकार ने मजदूरी भुगतान व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने का दावा किया है। मजदूरी का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे बैंक या डाकघर खातों में किया जाएगा। मस्टर रोल बंद होने के 15 दिनों के भीतर भुगतान नहीं होने पर श्रमिकों को विलंब मुआवजा दिया जाएगा।

संपादकीय

भारतीय राजनीति का बदलता चेहरा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों ने इस बार केवल सत्ता का गणित नहीं बदला,बल्कि लोकतंत्र के अर्थ को भी एक नई सामाजिक व्याख्या दी है। आसग्राम से कलिता माझी,हिंगलगंज से रेखा पात्रा और पनिहाटी से रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत केवल चुनावी सफलता नहीं है।

यहां एक घरेलू सहायिका है,एक श्रमिक और वंचित वर्ग से आई महिला है तो एक ऐसी मां भी है जिसने अपनी निजी पीड़ा और सामाजिक अपमान को अपनी शक्ति और दृढ़निश्चय में बदल दिया। इन महिलाओं की उपस्थिति भारतीय राजनीति के उस बदले हुए चेहरे को सामने लाती है,जहां पहली बार हाशिए पर खड़ी दिखाई देने वाली स्त्रियां सत्ता और प्रतिनिधित्व के केंद्र में दिखाई देने लगी हैं।

इन महिलाओं की जीत को यदि हम मात्र चुनावी परिणाम के रूप में देखेंगे तो यह हमारी सामाजिक दृष्टि की असफलता होगी। चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक विमर्शों से परे इन महिलाओं की जीत नारी सशक्तीकरण का हस्ताक्षर है। यही वह नारी सशक्तीकरण है,जिसका आह्वान स्वतंत्रता के बाद से लगातार किया जाता रहा है और जिसकी चर्चा बौद्धिक तथा वैचारिक वर्ग वर्षों से करता आया है।

कलिता माझी,रेखा पात्रा और रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत के साथ स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि भारत में नारीवादी विचारधारा के समर्थक और उसके मुखर प्रवर्तक खुलकर इनके साथ खड़े दिखाई देंगे। यह अपेक्षा इसलिए भी थी,क्योंकि वर्षों से स्त्री-प्रतिनिधित्व,राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्वकारी उपस्थिति को लेकर निरंतर आवाज उठाई जाती रही है। किंतु आश्चर्य यह है कि तमाम डिजिटल मीडिया मंचों से लेकर वैचारिक और बौद्धिक विमर्शों तक एक विचित्र-सी चुप्पी दिखाई देती है।

वे स्वर,जो सामान्यतः स्त्री-अधिकारों और महिला नेतृत्व के प्रश्न पर अत्यंत मुखर दिखाई देते हैं,आज कहीं खो से गए हैं। नारीवादी चिंतक नैंसी फ्रेजर अपने चर्चित निबंध फ्राम रीडिस्ट्रिब्यूशन टू रिकग्निशन? में इस बात पर गंभीर प्रश्न उठाती हैं कि यदि नारीवाद केवल कुछ सफल और विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं की उपलब्धियों तक सीमित रह जाए तो वह समाज की वास्तविक असमानताओं को नहीं बदल सकता।

शायद यही कारण है कि जब साधारण और संघर्षपूर्ण जीवन से निकली महिलाएं राजनीति और सार्वजनिक नेतृत्व तक पहुंचती हैं तो समाज उन्हें उतनी सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता,जितनी सहजता से प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को स्वीकार करता है।

बेल हुक्स ने अपनी पुस्तक फेमिनिस्ट थ्योरी : फ्राम मार्जिन टू सेंटर में लिखा है कि मुख्यधारा का नारीवादी विमर्श लंबे समय तक मुख्यतः विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं के अनुभवों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। शायद यही कारण है कि श्रम,अभाव और संघर्ष से निकली महिलाओं को वह सहज स्वीकार्यता,प्रशंसा और मान्यता नहीं मिल पाती,जो प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को अपेक्षाकृत आसानी से प्राप्त हो जाती है। भारत की कोई भी राजनीतिक विचारधारा अथवा दल जब दलित, वंचित और संघर्षशील महिलाओं को मुख्यधारा की राजनीति तक पहुंचाने का अवसर देता है,तब सबसे पहले उन महिलाओं के साहस और संघर्ष को सम्मान मिलना चाहिए। उन्हें केवल किसी राजनीतिक दल के चश्मे से देखकर मौन हो जाना शायद उस व्यापक सामाजिक उद्देश्य को सीमित कर देना है, जिसकी बात दशकों से की जाती रही है।

नारीवाद का उद्देश्य केवल स्त्रियों को प्रतिनिधित्व दिलाना नहीं, बल्कि लैंगिक शोषण और दमन की संरचनाओं को समाप्त करना है। स्त्री संघर्ष को केवल वैचारिक विमर्शों तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता, उसे उन महिलाओं के जीवनानुभवों,वर्गीय संघर्षों और सामाजिक यथार्थ के साथ भी जोड़कर समझना होगा, जो हाशिए से निकलकर नेतृत्व तक पहुंचती हैं। तब उसका प्रभाव केवल निजी उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता। यह स्थिति समाज की लोकतांत्रिक कल्पना,स्त्री आकांक्षाओं और प्रतिनिधित्व की पारंपरिक सीमाओं को भी बदलती है।

विडंबना यह है कि स्त्री-प्रतिनिधित्व और महिला नेतृत्व की चर्चा करने वाले समाजों में भी,जब अत्यंत साधारण,श्रमिक या सामाजिक रूप से उपेक्षित पृष्ठभूमि की महिलाएं राजनीति में पहुंचती हैं तो उनकी उपस्थिति को लेकर एक सूक्ष्म असहजता दिखाई देने लगती है। समस्या केवल स्त्री के राजनीति में आने की नहीं होती,बल्कि इस बात की भी होती है कि वह किस वर्ग और किस सामाजिक पृष्ठभूमि से आई है। समय आ गया है कि स्वयं को नारीवाद का समर्थक कहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर झांककर यह प्रश्न पूछे कि क्या वह कहीं चयनात्मक नारीवाद का शिकार तो नहीं।

क्या वह वास्तव में हर उस महिला के साथ खड़ा है, जो वंचना, श्रम और सामाजिक उपेक्षा से निकलकर नेतृत्व तक पहुंचती है या फिर उसका समर्थन केवल उन महिलाओं तक सीमित रह जाता है,जिनसे वह वैचारिक या सामाजिक रूप से सहज महसूस करता है। यदि स्त्री संघर्ष और महिला नेतृत्व को भी पसंद-नापसंद तथा वैचारिक सुविधा के आधार पर स्वीकार किया जाएगा तो वह नारीवाद नहीं,बल्कि चयनात्मक नारीवाद बनकर रह जाएगा।

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

योगेश कुमार गोयल
नजफ्फगढ़,नई दिल्ली

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं,जिनकी इस वर्ष हम 206वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती को 12 मई को एक विशेष थीम के साथ'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस'के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। इस वर्ष यह दिवस 'हमारी नर्सें। हमारा भविष्य। सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।'थीम के साथ मनाया जा रहा है। इस विषय का उद्देश्य सुरक्षित वातावरण,उचित वेतन और नेतृत्व के अवसरों के माध्यम से नर्सों को सहायता और प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि रोगी देखभाल और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया जा सके।'लेडी विद द लैंप'के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 206 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी,जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत,पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी,इटेलियन, लैटिन,जर्मनी,फ्रैंच,इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था,इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था,जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों,गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई

के लिए अनुमति दे दी गई,जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की,जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन,फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने,ठंड,भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आईं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे,जहां गंदगी,दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी,दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया,जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यों के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से'लेडी विद द लैंप'कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते, तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी।

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी,तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना,सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था,जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों,गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया,जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

- होर्मुज मार्ग बंद होने से दुनिया झुलस रही है ऊर्जा संकट की आग से...
- मोदी सरकार ने सूझबूझ से जनता पर नहीं आने दी इस संकट की आंच,खुद उठाया बोझ...
- भारत में सामान्य रूप से होते रहे सभी कार्य...
- जनता को भी देना होगा धैर्य के साथ देश का साथ...

डॉ0 सुयश नारायण मिश्रा

वैश्विक यद्धु और हामेर्जु सकंट का असर आज पूरी दुनिया महसूा कर रही है। यद्धु की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नही है, उनका असर हर घर की रसोई हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुच गई, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगी, महगांई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपनी नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गई लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज यद्धु के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही,करोड़ों परिवारों के चल्हे जलते रहे गाडिया़ चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ । इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवंदेनशील साचे थी जिसने वैश्विक तफून के सामने भारत के नागरिकों का ढाल बनकर सरंक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा सकंट की आग में झुलस रही थी,तब मोदी सरकार एक सरंक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खडी़ रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढती़ वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बडा़ हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया,ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली,रसोई और जेब तक न पहुचे। यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबधंन की कहानी नही,बल्कि सवंदेनशील शासन,दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकें के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिदंगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ,जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढी़ है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढक़र करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है,जो 28 प्रतिशत की बढो़त्तरी है। यद्धुग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपे प्रति लीटर पर पहुंच गया है,वही भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 कराडे़ का घाटा

उठाना कोई साधारण बात नही है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आकंडा़ उस सवेंदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चितां की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए,यदि यही सकंट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती ? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढती़, महंगाई दर हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लकेर गरीब तक का बजट डगमगा जाता। लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुई। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खडी़ है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लोडिंग बढा़ई गई,वकैल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाईनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी,मिट्टी का तेल,ईंधन तेल और बायेमास की वैकल्पिक अवसरंचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भडांर की योजना बना रहा है। इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल,पाढुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं ही नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बडी़ राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लोडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। सकंट के दौरान वैकल्पिक ईंधन यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नही,बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है। युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी,तब भारत सरकार ने अपने नागरिको को अकेले नही छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई सरकारें केवल योजनाओं और घोषनाओं से बडी़ नहीं बनती,बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बडी़ बनती है। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नही कर रहा,बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बडा़ क्यों न हो,देश उसके साथ खडा़ है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आनेवाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कत्तर्व्य है कि ऊर्जा का इस्तमोल किफायत से करें। वैश्विक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

तमिलनाडु में उभरता 'थिंक टैंक शासन'–क्या बदलेगा लोकतंत्र का चेहरा?

प्रो.आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मध्यप्रदेश

तमिलनाडु में 'ब्रेन राज': क्या विजय ने सियासत का डीएनए बदल दिया? भारत की राजनीति बदलने का ब्लूप्रिंट क्या तमिलनाडु से तैयार हो रहा है?

तमिलनाडु की राजनीति इस समय केवल सरकार बदलने की कहानी नहीं लिख रही,बल्कि राजनीतिक संस्कृति के पुनर्जन्म का दृश्य रच रही है। जातीय गणित, पारिवारिक विरासत और भावनात्मक नारों पर दशकों तक चलने वाली राजनीति के बीच अभिनेता से मुख्यमंत्री बने विजय ने ऐसा दांव चला है, जिसने देशभर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मुख्यमंत्री विजय सहित 10 सदस्यों वाला उनका शुरुआती कॉम्पैक्ट कैबिनेट आकार में छोटा जरूर है, लेकिन संदेश में बेहद विशाल दिखाई देता है। यहां कुर्सियों की संख्या कम है, पर योग्यता, शिक्षा, पेशेवर अनुभव और युवा सोच की चमक असाधारण है। यह कैबिनेट पारंपरिक सत्ता का चेहरा नहीं, बल्कि ब्रेन पावर को शासन की सबसे बड़ी ताकत बनाने की नई राजनीतिक घोषणा प्रतीत होता है। तमिलनाडु की नई सत्ता कहानी में सबसे प्रभावशाली चेहरा 29 वर्षीय एस. केरथना बनकर उभरी हैं, जिन्होंने मंत्री पद संभालते ही राजनीति में उम्र की पुरानी सीमाओं को चुनौती दे दी। शिवकासी (आतिशबाजी राजधानी) में साधारण पृष्ठभूमि से पहली महिला विधायक और मंत्री बनकर सत्ता के केंद्र तक पहुंचीं केरथना अब केवल युवा महिला मंत्री नहीं,बल्कि बदलते राजनीतिक दौर की पहचान बन चुकी हैं। तमिल माध्यम की सरकारी शिक्षा से गणित और सांख्यिकी में उच्च अध्ययन तक उनका सफर दिखाता है कि राजनीति अब केवल भाषणों का मंच नहीं,बल्कि आंकड़ों,समझ और सामाजिक संवेदनाओं का क्षेत्र भी बन रही है। आतिशबाजी उद्योग के मजदूरों,महिलाओं के समान वेतन और स्वास्थ्य मुद्दों पर उनका संघर्ष साबित करता है कि यह पीढ़ी सत्ता का सुख नहीं, समाज की आवाज बनना चाहती है।

विजय के 'ब्रेन कैबिनेट' को सबसे अधिक प्रशासनिक मजबूती पूर्व आईआरएस अधिकारी और डॉक्टर के.जी. अरुणराज की मौजूदगी देती है। टैक्स प्रशासन का वर्षों का अनुभव और चिकित्सा क्षेत्र की गहरी समझ उन्हें इस टीम का सबसे भरोसेमंद चेहरा बनाता है। उनका राजनीति में प्रवेश उस पुरानी धारणा को तोड़ता है, जिसमें योग्य प्रोफेशनल्स सत्ता से दूरी बनाए रखते थे। सुरक्षित सरकारी करियर छोड़कर अरुणराज ने संकेत दिया है कि राजनीति अब केवल वंशवाद का मंच नहीं, बल्कि गंभीर नीति

,निर्माण का केंद्र भी बन सकती है। उनकी मौजूदगी से वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और प्रशासनिक सुधारों की उम्मीदें स्वतः मजबूत दिखाई देती हैं। विजय की राजनीतिक टीम पारंपरिक सत्ता ढांचे से अलग, योग्यता और निष्ठा पर आधारित नए राजनीतिक मॉडल की झलक देती है। टीवीके के 108 विधायकों में 6 पीएचडी धारक, 22 पोस्ट ग्रेजुएट, 5 आईआईटी इंजीनियर, 8 एमबीबीएस डॉक्टर और करीब 40 वकील-इंजीनियर शामिल हैं। कुल 67 विधायक ग्रेजुएट हैं। द्रविड़ पार्टियों की पारंपरिक राजनीति में ऐसे बड़े पैमाने पर शिक्षित प्रतिनिधित्व दुर्लभ रहा है। ये आंकड़े केवल डिग्रियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि बदलती राजनीतिक सोच का संकेत हैं। विजय ने उस पुरानी धारणा को तोड़ा है कि शासन केवल राजनीतिक अनुभव से चलता है। उन्होंने साबित किया कि तकनीकी समझ, प्रशासनिक दृष्टि और डेटा-आधारित नीति ही आधुनिक सत्ता की असली ताकत हैं। यही कारण है कि उनका कैबिनेट पारंपरिक मंत्रिमंडल नहीं, बल्कि एक रणनीतिक थिंक टैंक नजर आता है। विजय सरकार की असली चुनौती अब भाषणों या डिग्रियों नहीं,बल्कि सत्ता संचालन की कठोर हकीकत से टकराने वाली है। चुनाव जीतना एक उपलब्धि हो सकती है,लेकिन बेरोजगारी,
स्वास्थ्य संकट, उद्योग, कानून-व्यवस्था और सामाजिक संतुलन जैसे मोर्चों पर टिके रहना कहीं कठिन परीक्षा है। यहां केवल शिक्षा नहीं,अनुभव,राजनीतिक धैर्य और जमीनी समझ भी निर्णायक बनते हैं। विजय ने युवा प्रोफेशनल्स और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाकर नई कार्यशैली गढ़ने की कोशिश की है। छोटा कैबिनेट फैसलों को तेज बना सकता है, लेकिन सीमित अनुभव संकट में कमजोरी भी साबित हो सकता है। यही वजह है कि यह सरकार जितनी उम्मीदों का केंद्र है,उतनी ही तीखी निगाहों के घेरे में भी।
विजय की राजनीति का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता अब केवल पारिवारिक दरबारों की विरासत नहीं रहनी चाहिए। उनकी टीम के अधिकांश चेहरे किसी राजनीतिक खानदान से नहीं, बल्कि अपनी मेहनत, शिक्षा और सामाजिक संघर्ष के दम पर उभरे हैं। यह बदलाव केवल राजनीतिक नहीं,बल्कि युवाओं की सोच बदलने वाला भी है। इससे यह विश्वास मजबूत होगा कि राजनीति में जगह बनाने के लिए बड़े उपनाम या जातीय समीकरण अनिवार्य नहीं हैं। न्यू तमिलनाडु की अवधारणा भी इसी सोच से जन्म लेती है, जहां सत्ता का आधार वंश नहीं, क्षमता बनती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो इसका प्रभाव केवल तमिलनाडु नहीं, पूरे भारतीय लोकतंत्र की दिशा पर पड़ सकता है। विजय की राजनीति का मूल संदेश साफ है – सत्ता अब नारों और भावनात्मक लहरों से नहीं, परिणाम देने वाली सोच से चलेगी। हीटवेव,महिला सुरक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य, औद्योगिक सुरक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे अब भीड़ को संबोधित करने नहीं, बल्कि विशेषज्ञ दृष्टि से समाधान मांगते हैं। केरथना जैसी युवा नेता जमीनी आकांक्षाओं की धड़कन समझती हैं,जबकि अरुणराज जैसे अधिकारी प्रशासन को पारदर्शिता और अनुशासन दे सकते हैं। यह कैबिनेट बताता है कि आधुनिक शासन अब केवल जनसभाओं की चमक नहीं, बल्कि समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान की क्षमता है। यही वजह है कि विजय की टीम ब्रेन कैबिनेट नहीं, नई राजनीतिक कार्यसंस्कृति का उभरता प्रतीक बनती जा रही है। तमिलनाडु की राजनीति आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां पहली बार सत्ता का आधार जातीय समीकरणों और पारिवारिक विरासत से हटकर योग्यता, शिक्षा और प्रोफेशनल क्षमता को बनाया जा रहा है। विजय का 'ब्रेन कैबिनेट' सफल होगा या नहीं, इसका फैसला समय करेगा, लेकिन उन्होंने राजनीति की बहस की दिशा बदल दी है। अब सवाल केवल जाति, क्षेत्र या उपनाम का नहीं,बल्कि नेतृत्व की क्षमता, दृष्टि और परिणाम देने की ताकत का भी होगा। यदि शिक्षित और प्रोफेशनल नेतृत्व की यह टीम जनहित में ठोस बदलाव ला पाती है,तो तमिलनाडु भारतीय राजनीति को नया मॉडल दे सकता है। यह केवल सरकार नहीं, बल्कि उस नए दौर की शुरुआत है जहां सत्ता की सबसे बड़ी पहचान कुर्सी नहीं,क्षमता बनती है।

भारत की सांस्कृतिक जड़ पर सुनियोजित हमला 1906

अनुराग सिंह देव
अम्बिकापुर,सरगुजा (छ0ग0)

बंगाल में कट्टर विचार और हिंसा

यह सिर्फ कोई पिछले 15 वर्षा में ही हो रहा है, ऐसा नहीं है। 1906 में पुराने बंगाल के ढाका में जब मुस्लिम लीग की स्थापना हुई,उस समय से ही या उससे पहले से ही बंगाल में यह उन्मादी विचार सिर उठाने लगा था। कुछ वर्षों में ही बंगाल के इस्लामिक नेताओं ने पृथक मुस्लिम राष्ट्र का प्रस्ताव तैयार करना आरंभ कर दिया और 1940 में प्रस्ताव पारित भी कर दिया। धार्मिक आधार पर सीटों का विभाजन और धार्मिक आरक्षण का क्रियान्वयन और फिर तुर्की के मुस्लिम खलीफा के अधिकारों को पुनर्स्थापित करने खिलाफत आंदोलन के रूप में यह धार्मिक कट्टरता खुल कर सामने आने लगी। इसका कॉग्रेस ने भी समर्थन किया। यहाँ तक कि एक धार्मिक कट्टर आंदोलन को कांग्रेस ने स्वतंत्रता संग्राम का खिलाफत आंदोलन बना दिया। कट्टरता इतनी बढ़ी कि 1946 में बँटवारे की मांग को लेकर कोलकाता और नुवाखाली में हिन्दुओं के खिलाफ डायरेक्ट एक्शन डे का आह्वान किया गया, जिसका परिणाम हज़ारों नरसंहार,आगजनी, बलात्कार के रूप में सामने आया। फिर 1947 में पाकिस्तान विभाजन की भयाक्रांत हिंसा में लाखों हिन्दुओं का कत्लेआम सभी को ज्ञात ही है। वर्तमान परिस्थितियों में इस पृष्ठभूमि में बंगाल के इन इस्लामिक कट्टरपंथी नेताओं की देन को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की आजादी के बाद पहले कॉग्रेस,फिर वामपंथ और अब तृणमूल कांग्रेस; यह सब इनके ही सीधे वैचारिक और राजनैतिक नियंत्रण में रही है। इसलिए आज यदि संदेशखाली, मुस्लिम बहुल क्षेत्र में वर्षो से मंदिरों में ताले,माँ दुर्गा पूजा में विवाद हो रहा है। वसूली,तोला बाजी हो रही हैं तो वहीं इस विचार के जनक सलीमुल्ला खान,जिन्ना,फ़ज़लूल हक,शोहरावर्दी,अबुल हासिमे, गुलाम सर्वर आज भी बंगाल की राजनैतिक धमनियों में रक्त के साथ सोच के रूप में दौड़ रहे है। अब चुनाव आयोग,सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद बंगाल की जनता को 2026 में पहली बार निर्भीक होकर मतदान और अभि व्यक्ति का अवसर मिला तो परिणाम सब के सामने है। इसलिए यदि 4 मई 2026 को पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों के बाद हिन्दू जनता खुशी से भावुक है,तो आप सोचिए ये स्वतंत्रता प्राप्ति का जश्न,दशकों बाद नहीं, सदियों बाद है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

कमोदा विहार रिसॉर्ट पर चला बुलडोजर,हटाया अतिक्रमण

सरकारी जमीन पर बने शेड...बाउंड्री और कमरे तोड़े गए,विरोध के बावजूद चार घंटे चली प्रशासन की कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)।
शहर के कमोदा बिहार रिसॉर्ट से लगी सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को सोमवार को प्रशासन ने हटाया। सुबह बुलडोजर और पुलिस बल के साथ पहुंची प्रशासनिक टीम ने बेजा कब्जा कर बनाए गए शेड, बाउंड्री और कमरों को तोड़ दिया। कार्रवाई के दौरान रिसॉर्ट संचालकों ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन प्रशासन ने कार्रवाई पूरी की। जानकारी के अनुसार रिसॉर्ट संचालक द्वारा करीब 45 डिसमिल सरकारी जमीन पर कब्जा कर निर्माण कराया गया था। नापजोख में अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने पहले नोटिस जारी किया था। शनिवार को कार्रवाई के दौरान संचालकों ने दो दिन की मोहलत मांगी थी, जिसके बाद टीम लौट गई थी। सोमवार सुबह करीब 5.30 बजे प्रशासनिक और पुलिस टीम दोबारा मौके पर पहुंची। सुबह 6 बजे से कार्रवाई शुरू हुई, जो लगभग चार घंटे तक चली। इस दौरान बड़े शेड और अन्य निर्माणों को हटाया गया। प्रशासन ने कुल करीब 65 डिसमिल जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। एसडीएम वन सिंह नेताम ने बताया कि मामले की सुनवाई तहसीलदार न्यायालय में हुई थी। जांच में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण सही पाए जाने के बाद धारा 248 के तहत बेदखली नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद भी कब्जा नहीं हटाने पर प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी।

सरकारी उपयोग में लाई जाएगी जमीन : एसडीएम ने बताया कि दोबारा कब्जा रोकने के लिए जमीन को सरकारी उपयोग में लाया जाएगा। यहां आंगनबाड़ी सहित अन्य शासकीय कार्यों के लिए जमीन आबंटित की जाएगी। बताया जा रहा है कि कमोदा रिसॉर्ट पुनर्वास की जमीन पर संचालित है। मामले में भू-स्वामी दीपक राय ने जमीन की रजिस्ट्री को लेकर शिकायत भी की है। इसकी जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में रिसॉर्ट और उसका लॉन रजिस्ट्री वाली जमीन पर संचालित पाया गया, जबकि जिस हिस्से में अतिक्रमण मिला, उसे प्रशासन ने हटवा दिया।

वर्षों पुरानी सड़क की मांग पूरी,नमनाकला नालापारा में सड़क निर्माण कार्य शुरू....

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)।
माता राजमोहिनी देवी वार्ड क्रमांक 12 अंतर्गत नमनाकला के नालापारा क्षेत्र में वर्षों से लंबित सड़क निर्माण की मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। वार्ड पार्षद मनोज गुप्ता के प्रयासों से क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। बताया जा रहा है कि बरसात के दिनों में क्षेत्र की स्थिति काफी खराब हो जाती थी। कच्ची और जर्जर सड़क के कारण लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो जाता था। स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों एवं मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। लंबे समय से क्षेत्रवासी सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। वार्ड पार्षद मनोज गुप्ता ने बताया कि उनके विशेष आग्रह पर महापौर मंजूषा भगत एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से सड़क निर्माण कार्य स्वीकृत हुआ। अब निर्माण कार्य प्रारंभ होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने सड़क निर्माण शुरू होने पर प्रसन्नता जताते हुए जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सड़क बनने से आवागमन सुगम होगा और बरसात के दौरान होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलेगी। पार्षद मनोज गुप्ता ने कहा कि वार्ड के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है तथा आगे भी क्षेत्र की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाएगा।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व : शिव मंदिर देवगढ़ में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है : संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल

- हजारों वर्ष पुरानी आस्था और स्वाभिमान का प्रतीक है सोमनाथ पर्व : कलेक्टर अजीत वसंत
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लाइव प्रसारण को जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने देखा
- छत्तीसगढ़ की बौद्धिक विरासत सहेजने वाले पाण्डुलिपि संरक्षकों का किया गया सम्मान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)।
'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अवसर पर उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत देवटिकरा स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर देवगढ़ में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री श्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और विरासत का गौरव : श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर जनवरी 1026 में हुए हमले के 1000 वर्ष और 1951 में हुए इसके जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूरे होना हमारी सनातन संस्कृति की अटूट शक्ति को दर्शाता है। उन्होंने कहा, यह हमारे राष्ट्र के गौरव और सांस्कृतिक विरासत की अमरता का उत्सव है। इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय और जनप्रतिनिधियों ने गुजरात में आयोजित मुख्य कार्यक्रम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लाइव प्रसारण देखा। प्रधानमंत्री के संदेश को सुनने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

विकसित राष्ट्र के निर्माण में परंपराओं का महत्व

विशिष्ट अतिथि लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारे वैभवशाली इतिहास का दर्शन कराता है। भारत आज अपनी पुरानी सभ्यताओं के साथ विश्वगुरु बनने और विकसित राष्ट्र निर्माण की ओर अग्रसर है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह ने इसे हर्ष और स्वाभिमान का समय बताते हुए कहा कि आज पूरे क्षेत्र में आस्था और विश्वास का दीप जल रहा है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने पर्व की बधाई देते हुए कहा कि हमारी प्राचीन सभ्यताएं और अतुलनीय संस्कृति हमारी पहचान हैं, जिन्हें धारण करना गौरव की बात है।

धरोहर संरक्षकों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और बौद्धिक धरोहर 'पाण्डुलिपि' के संरक्षण एवं सर्वे कार्य में जुटे नागरिकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में संरक्षक : श्रीमती रश्मि मिश्रा, श्री शैलेष मिश्रा (झिरमिटी), श्री दिवाकर शर्मा (गोधनपुर), श्री रासबिहारी मिश्र (अम्बिकापुर), श्री महेश्वर शाह (कराकी) एवं श्री साहू शाह (दोरना)। सर्वेयर में श्री श्रीश मिश्र, श्री अनूप किण्डो, श्री गौरव पाठक (अम्बिकापुर), श्री दामोदर सिंह (ट्रेसर) एवं श्री अजीत सिंह कंवर (लूण्ड्रा)। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राधा रवि, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शिशिकला सिंह, कमिश्नर श्री नरेन्द्र दुग्गा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शारदा अग्रवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, एसडीएम श्री राम राज सिंह, जनपद सीईओ श्री वेदप्रकाश गुप्ता एवं स्थानीय सरपंच-जनप्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी-कर्मचारी सहित श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

शराब के नशे में शीलबट्टे से हमला कर बेटे ने मां की ले ली जान

इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)।
लटोरी चौकी क्षेत्र के ग्राम गजाधरपुर चेरवापारा में एक युवक ने मामूली विवाद में अपनी मां की हत्या कर दी। शराब के नशे में युवक ने शीलबट्टे से मां के सिर पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार फलेन बाई पति स्व. ईश्वर प्रसाद चेरवा (45) निवासी ग्राम पंचायत गजाधरपुर चेरवापारा की रहने वाली थी। उसका बड़ा बेटा दिगंबर (25) शराब पीने का आदी था। बताया जा रहा है कि रविवार को वह छड़ बेचकर शराब पीकर घर पहुंचा था। घर पहुंचने पर मां ने उसे शराब पीने को लेकर डांट-फटकार लगाई। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद हो गया। गुस्से में दिगंबर ने घर में रखे शीलबट्टे से मां के सिर पर हमला कर दिया। घटना के समय घर में एक छोटी बच्ची मौजूद थी। घटना के समय महिला का छोटा बेटा नमेश काम पर गया हुआ था। सूचना मिलने पर वह घर पहुंचा तो उसकी मां बेहोशी की हालत में जमीन पर पड़ी थी। उसने निजी वाहन से तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार आरोपी युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है और नशे का आदी है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले में आरोपी को हिरासत में लेकर जांच की जा रही है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से भृत्य की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)।
शहर के काली मंदिर के पास रविवार रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था,जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अजय चौहान (29) प्रतापगढ़ दर्रीपारा का निवासी था। वह नागरिक आपूर्ति निगम में भृत्य के पद पर कार्यरत था। रविवार दोपहर करीब 2 बजे वह अपने घर से बाइक से सूरजपुर के लिए निकला था। रात करीब 10.15 बजे अंबिकापुर के काली मंदिर के पास स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 15 सीवाई 2344 ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अजय गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर उसके रिश्तेदार मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर गए। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर युवती की फोटो वायरल करने वाला गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)।
इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर युवती की फोटो के साथ अपमानजनक टिप्पणी पोस्ट करने वाले आरोपी को गांधीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले की जांच में साइबर सेल अंबिकापुर और मेटा कंपनी से प्राप्त तकनीकी जानकारी अहम साबित हुई। पुलिस के अनुसार 26 अप्रैल 2026 को प्रार्थिया ने थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी फोटो का इस्तेमाल कर इंस्टाग्राम पर फर्जी अकाउंट बनाया है। आरोपी उस अकाउंट से अभद्र कमेंट लिखकर लगातार पोस्ट वायरल कर रहा था, जिससे उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही थी। शिकायत पर थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 231/2026 के तहत धारा 296 बीएनएस एवं 12 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान साइबर सेल अंबिकापुर की मदद से संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट की तकनीकी जानकारी जुटाई गई। मेटा कंपनी से प्राप्त डिटेल में अकाउंट से जुड़ा मोबाइल नंबर और ईमेल दरिमा रोड कांतिप्रकाशपुर निवासी शिवम सिन्हा पिता नंदकेश्वर सिन्हा के नाम पर पाया गया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी के मोबाइल फोन से घटना से जुड़े फोटो और सोशल मीडिया अकाउंट संबंधी साक्ष्य भी मिले, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, आरक्षक अरविंद उपाध्याय, ऋषभ सिंह तथा साइबर सेल के आरक्षक अमन पुरी एवं रमेश रजवाड़े की सक्रिय भूमिका रही।

सब्सिडी के नाम पर किसान से 5.50 लाख की ठगी,यूपी से 3 आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
बलरामपुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)।
नहर निर्माण और सरकारी सब्सिडी दिलाने का झांसा देकर किसान से 5 लाख 50 हजार रुपए की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को बरियों चौकी पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने किसान को विश्वास में लेने के लिए खेत में जेसीबी लगाकर काम भी शुरू करा दिया था। बाद में टेंडर पास कराने के नाम पर रकम लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार ग्राम बादा निवासी प्रेम साय (62) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 7 अप्रैल को दो युवक पल्सर बाइक से उसके घर पहुंचे। उन्होंने खुद को शासकीय योजना से जुड़ा बताते हुए खेत मरम्मत और नहर निर्माण में सब्सिडी दिलाने की बात कही। अगले दिन खेत में जेसीबी पहुंचाकर नहर निर्माण शुरू कर दिया गया। इस दौरान आरोपियों ने खुद को मुंशी और मैनेजर बताया। आरोपियों ने कहा कि टेंडर पास कराने के लिए 5 लाख 50 हजार रुपए जमा करने होंगे, बाद में अधिकांश राशि सब्सिडी के रूप में वापस मिल जाएगी। झांसे में आकर किसान ने अंबिकापुर स्थित बैंक से रकम निकालकर आरोपियों को दे दी। रुपए लेने के बाद आरोपी रसीद लाने की बात कहकर फरार हो गए। बाद में उनके मोबाइल नंबर बंद मिले और जेसीबी भी गायब थी। मामले में राजपुर थाना में अपराध दर्ज कर पुलिस ने साइबर सेल की मदद से जांच शुरू की।

अवैध पशु तस्करी मामले में फरार 02 आरोपी गिरफ्तार,कुल 05 आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त में

-संवाददाता-
बलरामपुर (राजपुर),11 मई 2026 (घटती-घटना)।
थाना राजपुर पुलिस ने अवैध पशु तस्करी एवं पशु क्रूरता के एक गंभीर मामले में फरार चल रहे 02 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इससे पहले इस प्रकरण में 03 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा चुका है। इस तरह अब तक कुल 05 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। पुलिस के अनुसार, अपराध क्रमांक 81/26 के तहत आरोपियों के विरुद्ध 2004 कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10 एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11(घ) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

घटना का विवरण : दिनांक 11.04.2026 को थाना राजपुर पुलिस टीम रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद पिकअप वाहन क्रमांक JH01GN-8143 में मवेशियों को क्रूरता पूर्वक बांधकर अंबिकापुर से राजपुर होते हुए गुमला (झारखंड) की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अंबिकापुर रोड पर घेराबंदी कर वाहन को रोका। प्रारंभिक पूछताछ में वाहन चालक द्वारा गुमराह करने की कोशिश की गई, जिसके बाद सख्ती से पूछताछ करने पर सच्चाई सामने आई। वाहन में 02 गाय एवं 02 बछिया को अत्यंत अमानवीय तरीके से ठूंसकर बांधा गया था। पूछताछ में आरोपियों ने अन्य संलिप्त व्यक्तियों के नामों का भी खुलासा किया।

पूर्व गिरफ्तारी और फरार आरोपी : मामले में पहले ही 03 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। वहीं फरार चल रहे दो आरोपी-देवेश कुमार मिश्रा उर्फ गुड्डू पंडित (26 वर्ष),निवासी जयनगर, जिला सूरजपुर मोहम्मद सलमान (24 वर्ष),निवासी जयनगर,जिला सूरजपुर को पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना के आधार पर 11.05.2026 को गिरफ्तार कर लिया।

निधन

श्रीमती उमा सेठी

शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायिक प्रतिष्ठान सेठी बुक कॉर्नर,डीसी रोड के संचालक विनीत सेठी की पूजनीय माता श्रीमती उमा सेठी जी का निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही परिवार,रिश्तेदारों, शुभचिंतकों एवं परिचितों में गहरा शोक व्याप्त हो गया। श्रीमती उमा सेठी जी अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। वे एक पुत्री एवं एक पुत्र की माता थीं। उनका संपूर्ण जीवन सादगी,स्नेह एवं पारिवारिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहा। परिवार एवं समाज में वे अपने मधुर व्यवहार,आत्मीयता और सरल स्वभाव के लिए जानी जाती थीं। उनके निधन को परिवार के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। परिवारजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उनकी अंतिम यात्रा 12 मई 2026 को प्रातः 08:00 बजे शिवधारी कॉलोनी स्थित निवास से निकलेगी तथा अंत्येष्टि पंजाबी मुक्ति धाम, प्रतापपुर रोड,अंबिकापुर में संपन्न होगी।

नई कलेक्टर के साथ कोरिया जिले में प्रशासनिक सक्रियता तेज

श्रीमती रोक्तिमा यादव ने संभाली कमान,निरीक्षण से लेकर योजनाओं की समीक्षा तक दिखी सख्ती

-संवाददाता-
कोरिया,11 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले को नई प्रशासनिक कमान मिल चुकी है, वर्ष 2016 बैच की आईएएस अधिकारी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने जिले की 20वीं कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है, उनके पदभार संभालते ही प्रशासनिक व्यवस्था में सक्रियता और अनुशासन का माहौल देखने को मिला, जिले की चौथी महिला कलेक्टर के रूप में उन्होंने कार्यभार संभाला है। इससे पहले वर्ष 2006 में जिले को पहली महिला कलेक्टर मिली थी। श्रीमती रोक्तिमा यादव का प्रशासनिक अनुभव काफी व्यापक माना जाता है, उन्होंने पूर्व में कई जिलों में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्य किया है और ग्रामीण विकास,सामाजिक योजनाओं तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कलेक्टर बनने से पहले वे समाज कल्याण विभाग में संचालक के पद पर कार्यरत थीं,जहां उन्होंने सामाजिक सुरक्षा एवं हितग्राही मूलक योजनाओं के संचालन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई।

पदभार संभालते ही दिखी कार्यशैली

पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद ही कलेक्टर श्रीमती यादव ने कलेक्ट्रेट एवं जिला पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर प्रशासनिक कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न शाखाओं में पहुंचकर अधिकारियों और कर्मचारियों से सीधे संवाद किया तथा कार्यालयीन कार्यों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्यालय केवल प्रशासनिक भवन नहीं बल्कि आम जनता की समस्याओं के समाधान का केंद्र है, इसलिए यहां आने वाले लोगों को बेहतर वातावरण और समय पर कार्य मिलना चाहिए, निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय परिसरों में साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने, रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने तथा लंबित प्रकरणों को समय-सीमा में निपटाने के निर्देश दिए,उन्होंने नस्तियों एवं अभिलेखों को अद्यतन रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि व्यवस्थित रिकॉर्ड प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पहली ही बैठक में योजनाओं की गहन समीक्षा-

पदभार ग्रहण करने के बाद कलेक्टर श्रीमती यादव ने समय-सीमा की बैठक आयोजित कर राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की विभागवार समीक्षा की, बैठक में राजस्व, खाद्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, मार्कफेड, सहकारिता, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, कृषि, वन, शिक्षा, नगरीय निकाय, जल संसाधन तथा लोक निर्माण विभाग सहित कई विभागों के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई, उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कहा कि जिन विभागों की प्रगति लक्ष्य के अनुरूप नहीं है, वे तत्काल कार्यों में तेजी लाएं और समय-सीमा के भीतर योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्रों की उपलब्धता, एग्रीस्टेक पंजीयन, मनरेगा के तहत रोजगार सृजन, आधार अपडेट, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड तथा महतारी वंदन योजना के अंतर्गत ई-केवाईसी की समीक्षा भी की।

पूर्व कलेक्टर का स्थानांतरण

उल्लेखनीय है कि पूर्व कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी का स्थानांतरण बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कलेक्टर पद पर किया गया है, उनका कोरिया जिले में लगभग 21 माह का कार्यकाल रहा। उनके कार्यकाल में कई प्रशासनिक और विकासात्मक गतिविधियां संचालित हुईं,अब जिले की कमान रोक्तिमा यादव को सौंपे जाने के बाद प्रशासनिक कार्यों में नई गति आने की उम्मीद जताई जा रही है।

दूरस्थ क्षेत्रों पर विशेष फोकस

कलेक्टर श्रीमती यादव ने विशेष रूप से दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों के पात्र हितग्राहियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा जब अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे,उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण एवं दूरस्थ इलाकों में विशेष शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ा जाए, उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि इस योजना का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आम नागरिक इसका लाभ ले सकें। साथ ही मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

प्रशासनिक अमले को दिए स्पष्ट संदेश

बैठक के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही, उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना और जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रभाकर खलको, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, एडीएम श्री सुरेंद्र प्रसाद वैद्य, अपर कलेक्टर डी.डी. मंडावी, संयुक्त कलेक्टर अमित गुप्ता, डिप्टी कलेक्टर राकेश साहू, एसडीएम बैकुंठपुर उमेश पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सूरजपुर को मिली नई प्रशासनिक कमान

रेना जमील ने जिले की 11वीं कलेक्टर के रूप में संभाला पदभार...

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)। वर्ष 2019 बैच की आईएएस अधिकारी रेना जमील ने सूरजपुर जिले की 11वीं कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण कर प्रशासनिक कमान संभाल ली है। उनके पदभार ग्रहण करते ही जिला प्रशासनिक अमले में नई ऊर्जा और सक्रियता का माहौल देखने को मिला, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनका स्वागत करते हुए जिले की प्रशासनिक व्यवस्था और विभिन्न विभागों की जानकारी साझा की।

जनहित और पारदर्शिता पर रहेगा फोकस

पदभार ग्रहण करने के बाद अपने प्रथम संबोधन में कलेक्टर रेना जमील ने कहा कि उनकी प्राथमिकता शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी,संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन सुनिश्चित करना होगी, उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, उन्होंने अधिकारियों से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने का आह्वान किया।

सुशासन तिहार और जनगणना की तैयारी

नई कलेक्टर ने कहा कि सुशासन तिहार-2026 का सफल संचालन प्रशासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा, इस दौरान प्राप्त होने वाले आवेदनों और शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा, इसके साथ ही आगामी जनगणना-2027 की तैयारियों को भी व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा, उन्होंने कहा कि जनगणना विकास योजनाओं का महत्वपूर्ण आधार होती है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं पर जोर

कलेक्टर रेना जमील ने स्पष्ट किया कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, इसके लिए विभागीय अधिकारियों की नियमित समीक्षा की जाएगी और योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाएगी।

सुदूर क्षेत्रों का करेंगी दौरा

उन्होंने कहा कि वे जिले के दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों का लगातार दौरा कर वहां की वास्तविक स्थिति का जायजा लेंगी, आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूर्ण समर्पण और जवाबदेही के साथ दायित्व निभाने की अपील की।

प्रशासनिक अनुभव का मिलेगा लाभ

रेना जमील इससे पूर्व मंत्रालय के वित्त विभाग में उप सचिव के रूप में पदस्थ थीं, इसके अलावा वे बस्तर में संयुक्त कलेक्टर तथा बलरामपुर जिले में जिला पंचायत सीईओ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुकी हैं,प्रशासनिक अनुभव और सक्रिय कार्यशैली के कारण उन्हें एक प्रभावी एवं संवेदनशील अधिकारी माना जाता है, जिले में उनके नेतृत्व से प्रशासनिक कार्यों में गति आने और जनहित से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद जताई जा रही है।

जंगल में जुआ फड़ पर पुलिस की दबिश...

कुदरगढ़ जंगल से 5 जुआरी गिरफ्तार,22,800 नगद जब्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)। डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है, इसी क्रम में 10 मई 2026 को चौकी कुदरगढ़ पुलिस ने जंगल में जुआ खेल रहे 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुदरगढ़ जंगल में कुछ लोग हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं, सूचना पर चौकी कुदरगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और पांच जुआरियों को जुआ खेलते रंगे हाथ पकड़ लिया, गिरफ्तार आरोपियों में रामस्वरूप सिंह पिता रामदेव उम्र 41 वर्ष निवासी ग्राम सावांरावा, कन्हैया यादव पिता शिवसम्पत यादव उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम इंदरपुर, रामबिलास पिता भागीरथी चेरवा उम्र 36 वर्ष निवासी ग्राम सुंदरपुर, राजेश सिंह पिता नवल सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम सावांरावा तथा अंगद कुमार पिता लाल साय देवांगन उम्र 29 वर्ष निवासी ग्राम कुदरगढ़ शामिल हैं, पुलिस ने आरोपियों के पास एवं जुआ फड़ से कुल 22 हजार 800 रुपये नगद जब्त किए हैं, मामले में आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार किया गया है,कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन एवं एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में चौकी प्रभारी कुदरगढ़ अमरेश सिंह, प्रधान आरक्षक क्रांति सिंह, आरक्षक अमरेन्द्र दुबे, अनार सिंह, आलम सिंह, नरसिंग यादव, शौकीलाल चौहान एवं परमेन्द्र सिंह शामिल रहे।

हिस्सा बंटवारे का विवाद बना खूनी संघर्ष

भाई की हत्या के आरोप में बड़ा भाई और भाभी गिरफ्तार,चेन्द्रा पुलिस की कार्रवाई

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)। जमीन के हिस्सा बंटवारे को लेकर शुरू हुआ पारिवारिक विवाद आखिरकार हत्या तक पहुंच गया, मामले में चौकी चेन्द्रा पुलिस ने मृतक के बड़े भाई और भाभी को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई की है।जानकारी के अनुसार ग्राम चन्द्रमेढ़ा निवासी कलेश्वर टोप्पो ने दिनांक 19 अप्रैल 2026 को चौकी चेन्द्रा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके बड़े पिता धरमदेव टोप्पो और उनकी पत्नी सुषमा ने जमीन बंटवारे के विवाद को लेकर महेन्द्र टोप्पो के साथ ईंट से मारपीट की थी, शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 85/2026 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की,मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशांत कुमार ठाकुर ने पुलिस अधिकारियों को बारीकी से विवेचना करने के निर्देश दिए थे, जांच के दौरान घायल महेन्द्र टोप्पो का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैयाथान में कराया गया, जहां से उसे जिला चिकित्सालय सूरजपुर और बाद में अंबिकापुर के संकल्प हॉस्पिटल रेफर किया गया, करीब तीन सप्ताह तक इलाज चलने के बावजूद उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ और परिजन उसे वापस घर ले आए। 8 मई 2026 की सुबह महेन्द्र टोप्पो की मौत हो गई, मृत्यु की सूचना मिलने पर चौकी चेन्द्रा पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की प्रकृति हत्यात्मक पाए जाने के बाद पुलिस ने मामले में धारा 103(1) एवं 3(5) बीएनएस जोड़ते हुए आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया, पुलिस ने आरोपी धरमदेव टोप्पो (60 वर्ष) एवं उसकी पत्नी सुषमा स्वराज टोप्पो (43 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम चन्द्रमेढ़ा को हिरासत में लेकर पूछताछ की, पूछताछ में दोनों ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया, आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त ईंट भी बरामद कर ली गई, चौकी चेन्द्रा पुलिस ने दोनों आरोपियों को 8 मई 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, पूरे मामले की कार्रवाई में चौकी प्रभारी केश्वर मरावी, प्रधान आरक्षक राजकुमार सिंह, लालमन राजवाड़े, आरक्षक कमलेश्वर सिंह, दीपक खलखो, मनोज जायसवाल, जगत पैंकरा एवं महिला आरक्षक आशा लकड़ा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कांस्टेबल प्रेमी ने रेप के बाद शिक्षिका का कराया अबॉर्शन,जिला पुलिस में हड़कंप

-संवाददाता-
जशपुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)। शिक्षिका ने कांस्टेबल पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि कांस्टेबल ने सोशल मीडिया पर दोस्ती की, फिर कई बार दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर दो बार अबॉर्शन भी कराया। शिक्षिका की शिकायत पर मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। यह पूरा मामला जशपुर के कांसाबेल थाना क्षेत्र का है। पीड़िता शिक्षिका की शिकायत के मुताबिक, 2020 में उसके पति की मौत हो गई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। 2023 में फेसबुक के जरिए उसकी पहचान आरक्षक रूद्रमणी यादव से हुई थी। इस दौरान दोनों में बातचीत होते रहती थी। कांस्टेबल ने महिला के अकेलेपन का फायदा उठाते हुए उसे झांसे में लिया और 28 अप्रैल 2023 को घूमने के लिए बटईकिला क्षेत्र ले गया था। यहां सुनसान स्थान पर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। इसके बाद लगातार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि दो बार गर्भवती भी हुई। इस दौरान आरोपी ने दोनों बार दवा खिलाकर उसका गर्भपात करवा दिया। आरोपी की हरकतों से परेशान होकर पीड़िता शिक्षिका उससे दूरी बनाने लगी, लेकिन आरोपी उसे संबंध बनाने के लिए दबाव डालकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा। पीड़िता द्वारा मना करने पर आरोपी कॉन्स्टेबल विवाद करते हुए गाली-गलौज करता था। इतना ही नहीं पीड़िता के परिजनों को कॉल करके उसे बदनाम करने की कोशिश भी की थी। साथ ही आपत्तिजनक फोटो सोशल मीडिया और अन्य जगहों पर वायरल कर उसे प्रताड़ित किया। पीड़िता जब विरोध करती थी तो आरोपी खुद को बड़े अधिकारियों से पहचान बताकर धमकी देने लगता था।

पुलिस ने पीड़िता शिक्षिका की शिकायत पर आरक्षक रूद्रमणी यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 2 एन तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया है। साथ ही मामले की जांच भी की जा रही है। जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मानसिक रोगी की बेरहमी से पिटाई,पड़ोसी पर आरोप

-संवाददाता-
जशपुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)। जिले से युवक की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में युवक की रस्सी से बांधकर डंडे से पिटाई की जा रही है। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में कुछ लोग एक युवक को रस्सी से बांधकर हाथ-मुक्कों और डंडों से मारते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो भी बनाया। जो वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा तेज हैं। युवक के साथ मारपीट आपसी विवाद के चलते होने की बात कही जा रही है। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच जारी है। जानकारी के मुताबिक, जिस युवक की पिटाई की गई है, उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है। स्थानीयों का कहना है कि युवक अक्सर आसपास के लोगों से विवाद और गाली-गलौज करता था। इसी बात को लेकर पड़ोस में रहने वाले एक परिवार के लोगों के साथ उसका विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर कुछ लोगों ने युवक को बांधकर उसकी जमकर पिटाई कर दी। यह वायरल वीडियो करीब चार दिन पुराना बताया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की कोशिश जारी है। वायरल वीडियो ने कानून व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस का कहना है कि मामले की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाइक से गिरकर घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 मई 2026 (घटती-घटना)। पत्थलगांव क्षेत्र में बाइक से गिरकर घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। हादसा 10 मई को फरकटा रोड के पास हुआ था। जानकारी के अनुसार अनिमेष राम (18) ढोढ़ीबहरा मांझी टोला का निवासी था। वह 9 मई को बाइक से तमता गांव मेहमानी में गया था। 10 मई को वापस अपने घर लौटते समय पत्थलगांव के फरकटा रोड के पास उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सडक़ पर गिर पड़ा। हादसे में गंभीर रूप से घायल अनिमेष को इलाज के लिए पहले कुनकुरी मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया।

न्यायालय तहसीलदार लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम डुमरडीह को सुचित किया जाता है कि आवेदक ढलकू आ0 लखन माता सेन्दल उर्फ केन्दल, जाति किसान, निवासी ग्राम डुमरडीह, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा (छ0ग0) द्वारा ग्राम डुमरडीह स्थित कुल ख0नं0 08 कुल रकबा 1.364 हे0 को आवेदक के नाना टंगना के द्वारा दिनांक 23/03/2004 को अपने हिस्से की भूमि को वसीयतनामा आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। वसीयतकर्ता टंगना की मृत्यु दिनांक 05/11/2022 को हो चुका है। आवेदक द्वारा उक्त वादभूमि को वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत् मय अभिलेख के साथ आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति पेश करना हो तो वह दिनांक 12/5/2026 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 30/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार
लुण्ड्रा (धौरपुर),सरगुजा

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2, जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0 /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोवर्धन राम आ0 स्व0 हरि राम, जाति चेरवा, निवासी ग्राम डिगमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा0) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम डिगमा स्थित भूमि खसरा नंबर 236 रकबा 0.081 हे0 भूमि आवेदक की पैतृक भूमि है, जो सरगुजा स्टेट सेटलमेंट में आवेदक के पर पितामह सुदन चेरवा के नाम पर प्राप्त हुई है। उक्त भूमि वर्ष 1979-80 एवं 1981-82 में रामधन आ0 सुदन चेरवा के नाम पर भूमि स्वामी के रूप में दर्ज रहा है। वर्तमान राजस्व अभिलेखों में उक्त भूमि गौठान के रूप में दर्ज कर दी गई है। आवेदक द्वारा आवेदित भूमि के राजस्व अभिलेखों में अपने नाम पर दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/06/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 11/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

मनेन्द्रगढ़ जुआ कांड में शरीर रेड में, दिमाग संरक्षण में!

- पुलिस पहुंची पहले,जुआरी भागे पहले..फिर शुरू हुई कार्रवाई की कहानी!
- मनेन्द्रगढ़ जुआ कांड में शरीर रेड में...दिमाग संरक्षण में...
- जहां शरीर पुलिस के साथ दौड़ रहा था,लेकिन दिमाग सेटिंग बचाने में लगा था!
- मनेन्द्रगढ़ का महाजुआ कांड कार्रवाई कम,पटकथा ज्यादा!
- आईजी की सख्ती,एडिशनल एसपी की रणनीति,लेकिन संरक्षण तंत्र ने बिगाड़ दिया पूरा खेल?
- जंगल में जुआ,थाने में धारा खोजो अभियान और बीच में गायब सरगना!
- शरीर कार्रवाई में दौड़ता रहा, दिमाग संरक्षण में लगा रहा और जुआ फड़ बन गया पुलिसिया व्यंग्य का सबसे बड़ा मंच
- पहले मुचलका,फिर दोबारा पकड़ो...मनेन्द्रगढ़ पुलिस की अनोखी कार्रवाई!
- मुख्य सरगना फरार...सवालों में पूरी कार्रवाई!
- थाने में पलटती रहीं कानून की किताबें,लेकिन धारा नहीं मिली!
- पुलिस की कार्रवाई या संरक्षण तंत्र की मजबूरी? जिले में गरमाई चर्चाएं!

-रवि सिंह-

एमसीबी,11 मई 2026 (घटती-घटना)। एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़ में हुए कथित अंतर्राज्यीय जुआ फड़ पर पुलिस की कार्रवाई अब केवल एक पुलिसिया दबिश भर नहीं रह गई है,बल्कि यह पूरा मामला जिले की कानून व्यवस्था,पुलिस की कार्यशैली, अंदरूनी खींचतान,संरक्षण तंत्र और सेटिंग संस्कृति पर बड़ा सवाल बन चुका है,जुआ फड़ पर कार्रवाई हुई, पुलिस पहुंची, कुछ लोग पकड़े गए,नकदी जब्त हुई, वीडियो वायरल हुए, एफआईआर भी दर्ज हो गईज्लेकिन जितनी तेजी से कार्रवाई हुई,उससे कई गुना ज्यादा तेजी से सवाल खड़े हो गए,लोग अब पूछ रहे हैं कि आखिर यह कार्रवाई थी या सीमित सफलता वाला प्रायोजित प्रदर्शन? क्योंकि जिस जुआ फड़ की चर्चा महीनों से थी, जहां लाखों की बाजियां लगती थीं, जहां दूसरे जिलों और राज्यों से लोग आते थे,जहां कथित रूप से फाइनेंसर,सरगना,वाहन व्यवस्था,सेटिंग और सूचना नेटवर्क तक मौजूद था वहां पुलिस को आखिर सिर्फ छह लोग ही क्यों मिले? और सबसे बड़ा सवाल ये भी है की क्या कार्रवाई वास्तव में जुआ खत्म करने के लिए हुई थी या फिर ऊपर को यह दिखाने के लिए कि सर, हमने रेड कर दी?

आईजी का दौरा और अचानक जागी पुलिस

जिले में लंबे समय से जुआ,सट्टा और अन्य अवैध कारोबारों की चर्चाएं चल रही थीं, स्थानीय स्तर पर खबरें भी प्रकाशित हो रही थीं,लेकिन हमेशा की तरह कार्रवाई उचित समय का इंतजार कर रही थी,फिर सरगुजा रेंज के आईजी दीपक झा का एमसीबी दौरा हुआ,उन्होंने अवैध कारोबारों पर सख्ती के निर्देश दिए,इसके बाद पुलिस महकमे में अचानक हरकत बढ़ी,सूत्रों के अनुसार इसी दौरान एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र नायक ने इस पूरे ऑपरेशन की कमान संभाली,बताया जाता है कि उन्होंने बेहद गोपनीय तरीके से योजना बनाई और स्पष्ट निर्देश दिए कि सूचना किसी भी हालत में बाहर नहीं जानी चाहिए,यहीं से कहानी शुरू होती है,और यहीं से कहानी बिगड़ती भी दिखती है।

रणनीति मजबूत थी...लेकिन विश्वास कमजोर निकला?

सूत्र बताते हैं कि एडिशनल एसपी पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरे थे, उन्हें भरोसा था कि यदि सही समय पर दबिश दी जाए तो जिले की सबसे बड़ी जुआ कार्रवाई हो सकती है,क्योंकि स्थानीय स्तर पर थाना प्रभारी और साइबर टीम को सब जानकारी थी–कब फड़ सजता है, कौन आता है,किस समय लाखों की बाजियां लगती हैं,और कौन मुख्य सरगना होता है,बताया जाता है कि असली खेल अंधेरा होने के बाद शुरू होता था,6 : 30 बजे के बाद फड़ पूरी तरह जमता था और रात बढ़ने के साथ रकम भी बढ़ती जाती थी,लेकिन कार्रवाई शाम 5 :15 बजे शुरू हो गई, अब लोग पूछ रहे हैं–क्या पुलिस को अचानक इतनी जल्दी थी? या फिर किसी ने जल्दी कर लो वाला संदेश दे दिया था?

शरीर कार्रवाई में था,दिमाग कहीं और...

जिले में सबसे ज्यादा यही चर्चा-पूरे मामले में सबसे तीखा व्यंग्य इसी बात पर हो रहा है,सूत्रों के मुताबिक कार्रवाई में कुछ अधिकारी केवल शारीरिक उपस्थिति दर्ज करा रहे थे,वे मौके पर तो मौजूद थे,लेकिन कार्रवाई को निर्णायक सफलता तक पहुंचाने की मानसिकता नहीं दिखी,विशेषकर साइबर प्रभारी और कोतवाली प्रभारी को लेकर चर्चाएं तेज हैं,स्थानीय चर्चाओं में कहा जा रहा है कि यदि ये अधिकारी पूरी निष्ठा से ऑपरेशन में जुटते,तो इस कार्रवाई में दर्जनों लोग पकड़े जाते, लाखों की अतिरिक्त रकम बरामद होती और मुख्य सरगना भी पुलिस गिरफ्त में होता,लेकिन हुआ क्या? पुलिस पहुंची और जुआरी पहले ही निकलने लगे।

सूचना आखिर बाहर गई कैसे?

यह इस पूरे मामले का सबसे बड़ा रहस्य बन चुका है,सूत्रों का दावा है कि पुलिस की रवाना होने की जानकारी पहले ही बाहर पहुंच गई थी, जैसे ही भनक लगी कि पुलिस आ रही है, वहां मौजूद लोग जंगल और आसपास के रास्तों से बाहर निकलने लगे,अब सवाल यह है कि जब ऑपरेशन गोपनीय था,तो सूचना बाहर कैसे पहुंची? बताया जा रहा है कि दो गाड़ियों में टीम रवाना हुई थी, एक गाड़ी में एडिशनल एसपी और उनकी टीम थी,दूसरी गाड़ी में थाना प्रभारी और उनकी टीम,सूत्र दावा कर रहे हैं कि एडिशनल एसपी की ओर से सूचना लीक होना लगभग असंभव था,इसलिए अब संदेह दूसरी दिशा में घूम रहा है, हालांकि कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन जिले में यह चर्चा अब सार्वजनिक बहस बन चुकी है।

थाना परिसर में भी शुरू हो गया संरक्षण बनाम सफाई अभियान

सूत्रों के मुताबिक कार्रवाई के बाद थाना प्रभारी आरोपियों के सामने बार-बार कहते दिखे की कौन बोलता है पुलिस संरक्षण देती है? अगर संरक्षण होता तो क्या कार्रवाई होती? अब इस कथित बयान पर भी व्यंग्य हो रहा है, लोग पूछ रहे हैं यदि संरक्षण नहीं था,तो यह सफाई देने की जरूरत क्यों पड़ी? और यदि संरक्षण था ही नहीं, तो फिर इतने वर्षों तक जुआ फड़ चलता कैसे रहा?

पहले मुचलका...फिर दोबारा पकड़ने दौड़ी पुलिस!

यह पूरा घटनाक्रम अब किसी कॉमेडी पटकथा जैसा सुनाई देने लगा है,सूत्रों का दावा है कि पहले पकड़े गए जुआरियों को मुचलके पर छोड़ दिया गया,फिर जब उच्च अधिकारियों तक यह बात पहुंची,तो सवाल उठा कि इतने बड़े मामले में आरोपियों को इतनी जल्दी क्यों छोड़ दिया गया? बस फिर क्या था पुलिस दोबारा सक्रिय हुई,चार आरोपियों को फिर पकड़ने टीम भेजी गई, तीन वापस लाए गए,और उसके बाद शुरू हुआ–धारा खोजो अभियान।

थाने में पलटती रहीं किताबें,लेकिन धारा नहीं मिली!

सूत्रों के अनुसार दुसरे दिन शाम तक पुलिसकर्मी कानून की किताबों के पन्ने पलटते रहे कि आखिर कौन सी धारा लगाई जाए,क्योंकि जिन लोगों को छोड़ा गया था,उनके खिलाफ पुराने अपराध भी बताए जा रहे थे, लेकिन काफी मशक्कत के बाद निष्कर्ष यही निकला कि कोई मजबूत धारा नहीं मिल रही, और फिर उन्हें दोबारा छोड़ दिया गया, अब लोग व्यंग्य में कह रहे हैं–जुआ फड़ से ज्यादा रोमांचक तो थाने के अंदर की कहानी निकली।

एफआईआर कहती है रात 8 बजे...लेकिन पुलिस 5:15 पर पहुंच गई थी!

यहीं से पूरा मामला और संदिग्ध बन जाता है,एफआईआर में कार्रवाई का समय बाद का बताया गया, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि पुलिस काफी पहले ही मौके पर पहुंच चुकी थी,यदि यह सही है, तो सवाल उठता है कि क्या रिकॉर्ड और वास्तविक समय में अंतर क्यों है? और यदि पुलिस पहले पहुंची थी, तो क्या यह मान लिया जाए कि कार्रवाई जल्दबाजी में की गई?

अंतर्राज्यीय जुआ फड़...लेकिन वाहन और मोबाइल गायब!

एफआईआर में यह जरूर दर्ज है कि आरोपी अलग-अलग जिलों और यहां तक कि दूसरे राज्य से भी आए थे,अब सवाल यह है कि क्या वे पैदल आए थे? क्योंकि पुलिस को न वाहन मिले,न मोबाइल जब्त हुए, जबकि सूत्रों का दावा है कि जुआ संचालक कोतमा तक अपनी गाड़ियां भेजते थे। खिलाड़ियों को बैठाकर लाया जाता था और रात में वापस छोड़ा जाता था,यानी यह केवल जुआ नहीं था,बल्कि प्रीमियम सुविधा वाला संगठित कारोबार था,अब लोग कह रहे हैं कि जहां इतनी व्यवस्था थी,वहां पुलिस को गाड़ियां तक नहीं मिलींज यह बात हजम करना मुश्किल है।

जंगल तक पहुंचने से पहले ही करनी पड़ी कार्रवाई

सूत्रों का कहना है कि पुलिस वास्तविक फड़ तक पहुंचती,उससे पहले ही लोग निकलना शुरू हो चुके थे, यानी कार्रवाई वहां नहीं हुई जहां महाजुआ चल रहा था,बल्कि वहां हुई जहां भागते हुए खिलाड़ी पुलिस के हाथ लग गए, अब लोग व्यंग्य में कह रहे हैं कि पुलिस जंगल के अंदर शेर पकड़ने निकली थी, लेकिन बाहर आते हिरण पकड़कर लौट आई।

सेटिंग है,कोई कार्रवाई नहीं होगी–आरोपी के कथित बयान ने बढ़ाई बेचैनी

सूत्रों के अनुसार पूछताछ में एक आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि पुलिस से सेटिंग है,कोई कार्रवाई नहीं होगी,जब एडिशनल एसपी ने पूछा कि किसने कहा,तो आरोपी ने लाल, अजीत और मोहन नाम लिए,अब यही तीन नाम जिले की सबसे बड़ी चर्चा बन चुके हैं,लोग पूछ रहे हैं,कौन हैं ये लोग? क्या ये केवल खिलाड़ी थे? या पूरे नेटवर्क के मैनेजर? और सबसे बड़ा सवाल है की क्या पुलिस अब इन तक पहुंचेगी?

अब असली सवाल

- क्या यह कार्रवाई शुरुआत है या सिर्फ प्रदर्शन?
- पूरा मामला अब एक ही सवाल पर टिक गया है की क्या पुलिस वास्तव में पूरे नेटवर्क तक पहुंचेगी?
- क्या लाल,अजीत और मोहन तक कार्रवाई जाएगी?
- क्या कथित संरक्षण की जांच होगी?
- क्या बड़े होटल और बड़े नाम भी जांच के दायरे में आएंगे?
- या फिर यह मामला भी कुछ दिनों बाद ठंडा पड़ जाएगा?

फिलहाल जिले में यही चर्चा है कि मनेन्द्रगढ़ का यह महाजुआ कांड केवल जुआ फड़ की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का आईना है जहां कार्रवाई भी होती हैज और संरक्षण की चर्चा भी साथ-साथ चलती रहती है।

घटती घटना | सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार | अम्बिकापुर सोमवार 11 मई 2026 | 4

आईजी के दौरे के बाद जागी पुलिस

मनेन्द्रगढ़ के जुआ फड़ पर दबिश से मचा हड़कंप

जुआ फड़ पर पुलिस की रेड या प्रायोजित नौटंकी? कार्रवाई से ज्यादा सवालों की चर्चा

- पूर्व पार्षद समेत कई नामचीन जुआरी गिरफ्तार,लेकिन मुख्य सरगना अब भी फरार
- देर से जागी पुलिस या दबाव की कार्रवाई? मनेन्द्रगढ़ की रेड पर उठ रहे बड़े सवाल
- अंतर्राज्यीय जुआ फड़ पर दबिश, मगर वाहन और मोबाइल गायब... पुलिसिया कार्रवाई कटघरे में
- आईजी की सख्ती के बाद दिखी सक्रियता,वर्षों से चल रहे जुआ कारोबार पर आखिरकार कार्रवाई
- थाने के पीछे से एंट्री,प्रेस नोट में देरी...आखिर क्या छिपा रही थी पुलिस?

जुआरियों पर रेड से ज्यादा चर्चा पुलिस की 'सेटिंग वाली कार्रवाई' की

मनेन्द्रगढ़ में जुआ फड़ ध्वस्त या सिर्फ दिखावटी कार्रवाई? जिले में तेज हुई चर्चाएं

सड़क किनारे जुआ फड़ पर दबिश,शहर के चर्चित होटल तक कब पहुंचेगी पुलिस?

छपते-छपते

मुख्य सरगना मोहन आखिर कैसे बच निकला?

पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा रहस्य यही है कि मुख्य सरगना बताया जा रहा व्यक्ति बच निकला, जबकि पुलिस के पास टाइमिंग भी थी, जानकारी भी थी और पूरी रणनीति भी,तो फिर सरगना कैसे निकल गया? क्या उसे पहले से सूचना मिल गई थी? या फिर कार्रवाई इतनी नियंत्रित रखी गई थी कि बड़े नाम बच जाएं? लोग अब कह रहे हैं कि यदि राजा ही भाग गया, तो सैनिक पकड़कर क्या मिला?

कलेक्टर बदलते ही चर्चाओं में आया 'प्रभावशाली स्टेनो'

प्रशासनिक गलियारों में बढ़ी हलचल

कलेक्टर कार्यालय में 'अनौपचारिक प्रभाव' की चर्चा,कर्मचारियों ने उठाए कई सवाल
प्रशासनिक कार्यसंस्कृति पर सवाल,स्टेनो की भूमिका को लेकर जिले में चर्चाओं का दौर तेज
तबादले के बाद खुलने लगीं परतें! कलेक्टर कार्यालय की कार्यशैली पर उठे सवाल
प्रभावशाली स्टेनो,गुटबाजी और राजनीतिक संपर्कों की चर्चा से गरमाया जिला मुख्यालय
क्या कलेक्टर कार्यालय में बन गया था 'अलग शक्ति केंद्र'? कर्मचारियों के आरोपों से बढ़ी चर्चा
स्टेनो की भूमिका पर उठे सवाल,जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों में नाराजगी की चर्चा
कलेक्टर कार्यालय में वर्षों से प्रभावशाली नेटवर्क की चर्चा,तबादले के बाद तेज हुई बहस
पत्नी के नाम स्कूल संचालन से लेकर संपत्ति तक...चर्चाओं में आया प्रभावशाली स्टेनो
नई कलेक्टर के सामने बड़ी चुनौती? प्रशासनिक प्रभाव और गुटबाजी पर उठ रहे सवाल
कार्यालयीन प्रभाव,राजनीतिक संपर्क और संपत्ति की चर्चा...तबादले के बाद गरमाया मामला
जिले में प्रशासनिक पारदर्शिता पर बहस,'प्रभावशाली स्टेनो' को लेकर उठे कई सवाल
कलेक्टर बदले तो बदला माहौल,अब खुलकर सामने आने लगीं प्रशासनिक चर्चाएं
गुटबाजी,प्रभाव और शिकायतों की चर्चा..कलेक्टर कार्यालय को लेकर बढ़ी हलचल
क्या नई कलेक्टर बदल पाएंगी व्यवस्था? पुराने प्रभावशाली नेटवर्क पर उठे सवाल

-रवि सिंह-

कोरिया,11 मई 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में कलेक्टर के तबादले के बाद प्रशासनिक गलियारों में लंबे समय से प्रभावशाली माने जाने वाले एक स्टेनो टू कलेक्टर को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है, अधिकारियों,कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच यह आरोप सामने आ रहे हैं कि संबंधित कर्मचारी वर्षों से प्रशासनिक व्यवस्था में एक प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा तथा कई मामलों में सीमित और एकपक्षीय जानकारी के आधार पर माहौल प्रभावित करने का प्रयास किया जाता रहा, हालांकि इन आरोपों की अब तक किसी सक्षम एजेंसी द्वारा आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही किसी विभागीय जांच में आरोप सिद्ध हुए हैं, लेकिन कलेक्टर के तबादले के बाद अब प्रशासनिक कार्यसंस्कृति, कार्यालयीन प्रभाव और अनौपचारिक शक्ति केंद्रों को लेकर खुलकर चर्चा होने लगी है। सूत्रों के अनुसार संबंधित स्टेनो लंबे समय से खुद को प्रशासनिक व्यवस्था का सबसे भरोसेमंद और अनुभवी कर्मचारी बताता रहा है, कर्मचारियों के बीच यह चर्चा रही कि कई पूर्व कलेक्टरों के साथ काम करने के अनुभव का हवाला देकर वह कार्यालय में अपना प्रभाव बनाए रखने की कोशिश करता था, कुछ कर्मचारियों का कहना है कि बैठकों और प्रशासनिक चर्चाओं में भी वह बार-बार अपने पुराने अनुभवों और पूर्व अधिकारियों से संबंधों का उल्लेख करता था,इससे कार्यालय में यह धारणा बनी कि संबंधित कर्मचारी सामान्य स्टाफ से अधिक प्रभावशाली भूमिका में कार्य कर रहा है, कर्मचारियों के अनुसार, धीरे-धीरे कार्यालय में एक ऐसा माहौल बन गया जिसमें कुछ सीमित लोगों का प्रभाव बढ़ता गया जबकि अन्य कर्मचारियों को अपनी बात रखने के अवसर सीमित महसूस होने लगे।

जनप्रतिनिधियों को लेकर भी उठे सवाल

प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी रही कि विकास कार्यों, बैठकों और प्रशासनिक समन्वय से जुड़ी जानकारियां कई बार अलग तरीके से प्रस्तुत की जाती थीं,कुछ लोगों का आरोप है कि इससे जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच दूरी बढ़ी, सूत्रों के अनुसार कुछ जनप्रतिनिधि लंबे समय से संबंधित स्टेनो की कार्यशैली से असंतुष्ट बताए जाते रहे हैं,हालांकि किसी जनप्रतिनिधि ने सार्वजनिक रूप से आधिकारिक बयान नहीं दिया है,लेकिन राजनीतिक हलकों में इस विषय पर चर्चाएं लगातार बनी हुई हैं, कई लोगों का कहना है कि यदि प्रशासनिक संवाद संतुलित और पारदर्शी हो तो जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय संभव हो सकता है।

गुटबाजी और कार्यालयीन माहौल को लेकर कर्मचारियों में चर्चा

कई कर्मचारियों के बीच यह चर्चा रही कि कलेक्टर कार्यालय में वर्षों से एक प्रभावशाली समूह सक्रिय था,जिसमें कुछ अधिकारी और कर्मचारी शामिल बताए जाते हैं,आरोप है कि इस समूह के माध्यम से कार्यालयीन माहौल को प्रभावित किया जाता था,कुछ कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सामान्य प्रशासनिक मामलों को भी कई बार बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया जाता था,जिससे कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनता था,कर्मचारियों का कहना है कि इससे कार्यालयीन कार्यसंस्कृति प्रभावित हुई और असंतोष बढ़ा,हालांकि इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कलेक्टर तक सही जानकारी नहीं पहुंचती थी...

कर्मचारियों के बीच यह चर्चा भी रही कि कई बार वास्तविक स्थिति शीर्ष स्तर तक संतुलित रूप में नहीं पहुंच पाती थी,आरोप है कि चुनिंदा लोगों की बातों को प्राथमिकता दी जाती थी जबकि अन्य कर्मचारियों को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता था, कुछ कर्मचारियों का कहना है कि इससे निर्णय प्रक्रिया को लेकर भी असंतोष की स्थिति बनी, हालांकि प्रशासन की ओर से इस विषय पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नई कलेक्टर की कार्यशैली पर टिकी निगाहें...

जिले में नई कलेक्टर की पदस्थापना के बाद अब अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि प्रशासनिक व्यवस्था में किस प्रकार के बदलाव देखने को मिलेंगे,कर्मचारियों का एक वर्ग उम्मीद जता रहा है कि नई व्यवस्था में सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को सीधे अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा तथा किसी एक व्यक्ति विशेष का प्रभाव सीमित रहेगा,प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि यदि शीर्ष स्तर पर सीधे संवाद,विभागीय समीक्षा और बहुस्तरीय फीडबैक की व्यवस्था मजबूत की जाती है तो कार्यालय में वर्षों से बने अनौपचारिक प्रभाव स्वतः कमजोर पड़ सकते हैं।

प्रशासन की ओर से नहीं आया आधिकारिक बयान

फिलहाल पूरे मामले में प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है,संबंधित पक्षों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी,कलेक्टर के तबादले के बाद अब जिले में प्रशासनिक पारदर्शिता,कार्यालयीन कार्यसंस्कृति और अनौपचारिक प्रभाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं,आने वाले समय में यदि शिकायतें औपचारिक रूप से सामने आती हैं तो मामले में विभागीय स्तर पर जांच या स्पष्टीकरण की स्थिति भी बन सकती है।

पत्नी के नाम संचालित निजी स्कूल को लेकर भी चर्चा

सूत्रों के अनुसार संबंधित स्टेनो पर यह आरोप भी लगाए जा रहे हैं कि वह अपनी पत्नी के नाम संचालित एक निजी स्कूल के संचालन में सक्रिय भूमिका निभाता है, स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि वर्षों से स्कूल संचालित होने के बावजूद शिक्षा विभाग द्वारा कभी गंभीर जांच या निरीक्षण नहीं किया गया,कुछ लोगों का आरोप है कि प्रशासनिक प्रभाव के कारण स्कूल से जुड़े मामलों में विभागीय अधिकारी खुलकर कार्रवाई करने से बचते रहे,वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने स्कूल में नियमों और मानकों से जुड़ी शिकायतों का भी उल्लेख किया है,हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और शिक्षा विभाग की ओर से भी इस संबंध में कोई औपचारिक बयान सामने नहीं आया है।

संपत्ति और निवेश को लेकर भी उठने लगे सवाल

प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा भी तेज है कि संबंधित कर्मचारी और उसके करीबी लोगों द्वारा पिछले कुछ वर्षों में जमीन, मकान और अन्य संपत्तियों में बड़े स्तर पर निवेश किया गया है,स्थानीय लोगों के बीच यह सवाल उठ रहे हैं कि सीमित वेतनमान वाले पद पर रहते हुए इतनी बड़ी संपत्ति कैसे अर्जित की गई,कुछ लोगों ने आय के स्रोत और संपत्ति की निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई है,हालांकि संपत्तियों के वास्तविक मूल्य,निवेश और आय के स्रोत से संबंधित दस्तावेजों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

राजनीतिक संपर्कों और बाहरी प्रभाव की चर्चा

कर्मचारियों और प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा भी रही कि संबंधित स्टेनो स्थानीय प्रभावशाली लोगों और कुछ राजनीतिक व्यक्तियों से करीबी संबंधों का उल्लेख कर कार्यालय में प्रभाव बनाए रखने की कोशिश करता था,कुछ कर्मचारियों का कहना है कि बाहरी संपर्कों और रसूख का हवाला देकर कई बार दबाव का माहौल बनाया जाता था,वहीं यह भी चर्चा रही कि मूल रूप से अन्य विभाग से जुड़े होने के बावजूद संबंधित कर्मचारी लंबे समय से कलेक्टर कार्यालय में प्रभावशाली भूमिका में बना हुआ है,हालांकि इन आरोपों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

ग्राम भौता में छापा,बिना डिग्री इलाज कर रहा कथित डॉक्टर,दवाइयां और इंजेक्शन जप्त

झोलाछाप डॉक्टरों पर स्वास्थ्य विभाग का शिकंजा

-संवाददाता-

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़,11 मई 2026 (घटती-घटना)। जिले में अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर मरीजों की जान जोखिम में डालने वाले झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम भौता में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई करते हुए एक कथित डॉक्टर के यहां से दवाइयां एवं इंजेक्शन जप्त किए हैं।

जानकारी के अनुसार डॉ. अविनाश खरे को लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं कि ग्राम भौता में एक व्यक्ति बिना किसी वैध योग्यता के मरीजों का इलाज कर रहा है। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए उनके निर्देश पर विशेष जांच टीम गठित की गई, गठित टीम ने ग्राम भौता पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान संचालक से डॉक्टरी संबंधी वैध डिग्री एवं दस्तावेज मांगे गए,लेकिन वह कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। इससे बिना अनुमति चिकित्सा कार्य किए जाने की पुष्टि हुई,स्वास्थ्य विभाग की टीम में चिकित्सा अधिकारी डॉ. वसिक असदक,बीपीएम सुलेमान खान,औषधि निरीक्षक विकास लकड़ा, डी.ओ. संजय राम एवं सीएचओ कृष्णा शामिल रहे,जांच के दौरान यह बात भी सामने आई कि संचालक को कार्रवाई की जानकारी पहले ही मिल गई थी,जिसके कारण कई जरूरी दवाइयां एवं उपकरण मौके से हटा दिए गए थे,बावजूद इसके टीम ने उपलब्ध दवाइयों और इंजेक्शनों का पंचनामा तैयार कर उन्हें जप्त कर लिया,स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रूप से क्लीनिक संचालित कर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा, कार्रवाई के बाद क्षेत्र में संचालित अन्य अवैध क्लीनिकों में भी हड़कंप की स्थिति देखी जा रही है। विभाग द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

ग्राम कोडांगी में लगा जनसेवा शिविर,स्वास्थ्य मंत्री ने बांटे हितलाभ

स्वास्थ्य जांच से लेकर राशन,पेंशन और महतारी वंदन योजना तक के प्रकरणों का मौके पर हुआ निराकरण

-संवाददाता-

एमसीबी/खड़गवां,11 मई 2026 (घटती-घटना)। विकासखंड खड़गवां के ग्राम कोडांगी में शनिवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए विशेष शिविर आयोजित किया गया,कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य रूप से शामिल हुए, शिविर में स्वास्थ्य विभाग को कुल 313 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर मौके पर ही कार्रवाई करते हुए विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई गईं, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 25 कम सुनाई देने वाले हितग्राहियों को कान की मशीन वितरित की गई। इसके अलावा 11 लोगों को छड़ी तथा 15 हितग्राहियों को वॉकर स्टिक प्रदान की गई। शिविर के दौरान 14 लोगों के आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) कार्ड बनाए गए, साथ ही 55 लोगों की सिकल सेल जांच,25 लोगों की मलेरिया जांच, 50 लोगों की शुगर जांच और 101 लोगों का ब्लड प्रेशर परीक्षण किया गया, दो हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड तथा 15 लोगों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किए गए, स्वास्थ्य

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शिविर में उपस्थित हितग्राहियों को विभिन्न उपकरण एवं कार्ड वितरित किए। उन्होंने कहा कि सरकार सुशासन तिहार के माध्यम से गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है, उन्होंने बताया कि शिविर में प्राप्त सभी प्रकरणों का शत-प्रतिशत निराकरण किया गया, जिससे ग्रामीणों को राहत मिली है, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए,जिनमें 2 नए राशन कार्ड, 1 नाम जोड़ने का आवेदन,5 व्यक्तिगत शौचालय की मांग और 4 पेंशन प्रकरण शामिल रहे। इन सभी मामलों का मौके पर निराकरण किया गया,महिला एवं बाल विकास विभाग को महतारी वंदन योजना की ई-केवाईसी से संबंधित 65 आवेदन मिले, जिनका तत्काल समाधान किया गया। वहीं आधार कार्ड से जुड़े 23 मामलों का भी मौके पर निराकरण किया गया,कार्यक्रम में किसान युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राम प्रताप गुप्ता, स्थानीय सरपंच,जनप्रतिनिधि,अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे,इस दौरान जनपद पंचायत खड़गवां के सीईओ रूपेश बंजारे,तहसीलदार सिद्धि गवेल,बीएमओ डॉ. मनीष प्रताप सिंह,बीपीएम राज कुमार राजवाड़े सहित विकासखंड स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

11 साल पहले आई थी विजय की डिजास्टर फिल्म, बॉलीवुड की लेडी सुपरस्टार भी नहीं करा पाई हिट

साउथ सिनेमा के सुपरस्टार विजय थलापति ने अपने करियर में एक डिजास्टर फिल्म दी है, जो अपना बजट भी नहीं निकाल पाई थी।तमिल सिनेमा के सुपरस्टार विजय थलापति का नाम इस वक्त लगातार सुर्खियां बटोर रहा है। हाल ही में विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पद की शपथ ली है। राजनीति करियर शुरू करने से पहले विजय ने लंबे समय तक बतौर अभिनेता अपनी शानदार मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विजय थलापति के एक्टिंग करियर की एक फिल्म ऐसी भी रही, जो बॉक्स ऑफिस पर फिसड्डी रही ती और महा फ्लॉप साबित हुई थी। आलम ये रहा था कि वह मूवी अपना बजट भी नहीं निकाल पाई थी।

विजय की वो महा फ्लॉप फिल्म

अभिनेता जोसेफ विजय की जिस फिल्म के बारे में इस लेख में जिक्र किया जा रहा है, उसे साल 2015 में सिनेमाघरों रिलीज किया गया था। मोटे बजट में बनी वो मूवी जब आई थी, तब उसको लेकर जबरदस्त हाइप देखने को मिला था। लेकिन रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर विजय की वह फिल्म औंधे मुंह गिरी और डिजास्टर साबित हुई। दरअसल उस फिल्म का नाम पुली थी। जी हां 11 साल पहले पुली का बजट 130 करोड़ था। फैंटेसी एडवेंचर के तौर पर इस मूवी से काफी ज्यादा उम्मीदें थीं,लेकिन मूवी की खराब कमर्शियल परफॉर्मेंस ने मेकर्स को भारी नुकसान पहुंचाया था। इतने बड़े बजट में बननी वाली पुली बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ का कारोबार ही कर पाई थी और इस तरह से विजय थलापति के एक्टिंग करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म बनकर रह गई। इस मूवी में विजय के साथ हिंदी सिनेमा की लेडी सुपरस्टार श्रीदेवी ने भी अहम भूमिका अदा की थी। इसके अलावा किच्चा सुदीप, श्रुति हासन और हंसिका मोटवानी जैसे कलाकार भी पुली का हिस्सा रहे। मल्टी स्टारर ये मूवी फिर भी सफलता हासिल नहीं कर पाई थी।

विजय की अगली फिल्म

तमिलनाडु का सीएम बनने के बाद अब आपको बतौर एक्टर विजय एक्टिव नहीं नजर आएंगे। हालांकि, उनकी आखिरी फिल्म जन नायकन लंबे समय से रिलीज के लिए तरस रही है। माना जा रहा है कि अब उनकी इस मोस्ट अवेटेड पॉलिटिकल ड्रामा मूवी को जल्द ही रिलीज किया जा सकता है।

अनुपम खेर ने डीडीएलजे के आइकॉनिक रेलवे ट्रैक को टूरिस्ट स्पॉट बनाने की अपील की...

अभिनेता अनुपम खेर हाल ही में पुरानी यादों में खो गए,जब वे उस रेलवे ट्रैक पर पहुंचे जहां काजोल और शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' का आइकॉनिक सीन शूट किया गया था। इस खास मौके ने उन्हें 90 के दशक की उस यादगार फिल्म यात्रा की याद दिला दी,जिसने भारतीय सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई थी।

अनुपम खेर ने इस स्थान पर पहुंचकर फिल्म के उस ऐतिहासिक दृश्य को याद किया,जिसने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी। उन्होंने बताया कि यह जगह आज भी फिल्म प्रेमियों के लिए खास महत्व रखती है, लेकिन इसे पर्यटन की दृष्टि से और बेहतर तरीके से विकसित किया जा सकता है। इसी दौरान उन्होंने सरकार से अपील की कि इस रेलवे ट्रैक और आसपास के क्षेत्र को एक आधिकारिक टूरिस्ट स्पॉट के रूप में विकसित किया जाए, ताकि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक इस ऐतिहासिक फिल्म लोकेशन को देख सकें और भारतीय सिनेमा की विरासत को करीब से महसूस कर सकें। अनुपम खेर के अनुसार,'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' न केवल एक फिल्म है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा के इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है,और इसके शूटिंग लोकेशन को संरक्षित करना सांस्कृतिक दृष्टि से भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर इस स्थान को विकसित किया जाता है, तो यह स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देगा और आसपास के लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगा। फिल्म डीडीएलजे के इस सीन को भारतीय सिनेमा के सबसे यादगार दृश्यों में गिना जाता है,जिसे आज भी दर्शक बड़े शौक से याद करते हैं। इस सीन की लोकप्रियता के कारण यह रेलवे ट्रैक फिल्म प्रेमियों के बीच एक अनौपचारिक पर्यटन स्थल के रूप में पहले से ही जाना जाता है।

प्रभास की फौजी की रिलीज डेट लॉक्ड

रेबल स्टार प्रभास एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं,बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म फौजी के साथ,जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है। यह फिल्म गुलशन कुमार और भूषण कुमार के टी-सीरीज के साथ पेश की जा रही है और इसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले किया गया है.फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है

कि फौजी 2026 में दशहरा उत्सव के दौरान बड़े पर्दे पर रिलीज होगी. फिल्म का पहला लुक पहले ही जारी किया जा चुका है और प्रशंसकों से इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है. टीम के अनुसार, फौजी की शूटिंग फिल्म पूरी होने तक बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी. फिल्म को बेहतरीन प्रोडक्शन और विशेषज्ञ तकनीकी ज्ञान से सजी एक शानदार फिल्म बताया जा रहा है.भाव और भव्यता दोनों को कुशलता से संभालने के लिए जाने जाने वाले हनु राघवपुडी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभास एक बिल्कुल नए रूप में चमके. फिल्म में इमानवी नायिका के रूप में होंगी, साथ ही अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, जयप्रदा और भानु चंदर जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे.फौजी की तकनीकी टीम में उद्योग जगत के कुछ बेहतरीन लोग शामिल हैं. सुदीप चटर्जी सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं. विशाल चंद्रशेखर संगीत दे रहे हैं. अनिल विलास जाधव प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और कोटागिरी वेंकटेश्वर राव फिल्म का संपादन कर रहे हैं.

गीत कृष्णकांत ने लिखे हैं, कोरियोग्राफी प्रेम रक्षित ने की है, वेशभूषा शीतल इकबाल शर्मा और टी विजय भास्कर ने डिजाइन की है, और विजुअल इफेक्ट्स आरसी कमला कन्नन ने तैयार किए हैं.यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषाओं में रिलीज होगी. नवीन येरनेनी और वाई रवि शंकर द्वारा निर्मित, सह-निर्माता शिव चानन और टी-सीरीज के अध्यक्ष नीरज कल्याण के साथ बनी फौजी को 2026 की सबसे बड़ी रिलीज में से एक माना जा रहा है. फैंस अब अपने कैलेंडर में तारीख नोट कर सकते हैं और इस दशहरा पर प्रभास को इस हाई-ऑक्टेन, भव्य एक्शन-ड्रामा में देखने के लिए तैयार हो सकते हैं.

स्प्लिट्सविला 16 की फैन-वोटिंग बिग बॉस वाला खेल

रुरु ठाकुर,जो अभी अपने एक्स-बॉयफ्रेंड योगेश रावत के साथ रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 16 की फाइनलिस्ट हैं,ने नए आए फैन वोटिंग ट्विस्ट पर रिएक्ट किया। शो के इतिहास में पहली बार, दर्शक प्यार का पावर नाम के वोटिंग फीचर के ज़रिए सीधे फिनाले के नतीजे पर असर डाल पाएंगे। यह नया ट्विस्ट शो के फॉर्मेट में एक बड़ा बदलाव दिखाता है, जिसमें जीतने वाले कपल को तय करने में दर्शकों की भागीदारी अहम भूमिका निभाने वाली है। रुरु ठाकुर ने स्प्लिट्सविला 16 फिनाले में फैन वोटिंग ट्विस्ट पर सवाल उठाए सोमवार (11 मई) को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज़ पर, रुरु ने शेयर किया कि उन्हें नया ट्विस्ट अनफेयर लगा, उन्होंने सवाल किया कि अगर फिनाले का नतीजा आखिरकार फैन वोटिंग पर निर्भर करता है तो कंटेस्टेंट्स को पूरे शो में टास्क क्यों करने पड़े। उन्होंने कहा,आप सभी ने मुझे वोट दिया, मैं सच में इसकी तारीफ़ करती हूँ। लेकिन मुझे कहीं न कहीं अनफेयर लगा, क्योंकि चारों फाइनलिस्ट ने बहुत मेहनत की थी। 8 लोग थे, हमने उस टास्क के लिए जान लगा दी। और उसके बाद एकदम से वोटिंग आना बस अनफेयर है। कभी आज तक हिस्ट्री के नहीं हुआ है यह स्प्लिट्सविला की वोटिंग। वह बिग बॉस का गेम है। यह सबके लिए अनफेयर है...अगर वोटिंग ही करनी होती,तो लोगों ने टास्क क्यों किया?

कृष्णावतारम् पार्ट 1 ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम, तीसरे दिन किया ढाई करोड़ का कलेक्शन

कृष्णावतारम् पार्ट 1 को लेकर फैंस में बज देखने को मिल रहा है। फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले हैं और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का भी फायदा मिल रहा है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म ने शनिवार को शानदार कमाई की। आइए जानते हैं फिल्म के कलेक्शन के बारे में. सैकनिल्क के मुताबिक,फिल्म ने तीसरे दिन 2.25 करोड़ की कमाई की. फिल्म को 1713 शोज मिले। वहीं फिल्म ने 27.5 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली। फिल्म ने हिंदी में 2.15 करोड़ कमाए। वहीं तमिल में 3 लाख और तेलुगू में 7 लाख कमाए। फिल्म ने टोटल 3.82 करोड़ की कमाई की। वहीं फिल्म ने ग्रॉस 4.57 करोड़ का कलेक्शन किया। बता दें कि फिल्म ने पहले दिन 42 लाख की कमाई की। दूसरे दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त इजाफा हुआ। दूसरे दिन 1.15 करोड़ कमाए.फिल्म की डिमांड बढ़ गई है। इसी वजह से शोज बढ़ाए गए हैं. पहले दिन 510 शोज थे। दूसरे दिन 1549 शोज मिले। वहीं तीसरे दिन 1713 शोज मिले। हार्दिक गज्जर की ये फिल्म फैंस का दिल जीत रही है। इरशाद कामिल ने लिरिक्स लिखे हैं। वहीं प्रसाद एस ने म्यूजिक दिया है। फिल्म का म्यूजिक पसंद किया जा रहा है। वहीं फिल्म विजुअल्स भी फैंस का दिल जीत रहे हैं। फिल्म को मिल रहे पॉजिटिव रिस्पॉन्स से ये उम्मीद लगाई जा रही है कि रविवार को फिल्म की कमाई में इजाफा दिखेगा। वहीं फिल्म के 5-6 करोड़ तक कमाने की खबरें हैं।

खेल समाचार

चीन को उसके घर में हराकर भारत की बेटियों ने जीता गोल्ड

भारतीय महिला आर्चरी टीम ने चीन को हराकर वर्ल्ड कप स्टेज-2 में गोल्ड मेडल जीता...टूर्नामेंट का आयोजन चीन के शंघाई में हो रहा था...आनंद महिंद्रा ने जीत पर महिला टीम को बधाई दी है...

नई दिल्ली,11 मई 2026। भारतीय महिला रिकर्व टीम ने शंघाई में आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज 2 में मेजबान चीन के खिलाफ रोमांचक शूट-ऑफ में जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारत की दीपिका कुमारी , अंकिता भगत और कुमकुम मोहद ने फाइनल मुकाबले में अपना संयम बनाए रखते हुए शूट ऑफ में चीन को 5-4 (28-26) से मात देकर गोल्ड मेडल जीता। 31 साल की दीपिका का वर्ल्ड कप में यह 12वां गोल्ड मेडल है। 2021 के बाद पहली बार उनके खाते में गोल्ड आया है।

आनंद महिंद्रा ने की सराहना

चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीतने पर बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी भारतीय महिला आर्चरी टीम की सराहना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- शंघाई में, फाइनल में मेजबान चीन को हराना... इसे ही कहते हैं बुलज-आई। यह मुकाबला उतार-चढ़ाव भरा रहा। भारत ने पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन चीनी टीम ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया और चार सेट के निर्धारित मुकाबले के बराबर समाप्त होने के बाद मैच को शूट-ऑफ में धकेल दिया। निर्णायक प्रेशर में भारतीय तीरंदाजों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अनुभवी स्टार दीपिका कुमारी ने तब घरेलू दर्शकों के सामने इस यादगार जीत को पक्का करने की जिम्मेदारी संभाली और शूट-ऑफ के आखिरी तीर पर 9 अंक हासिल किए।

सेमीफाइनल में साउथ कोरिया पर मिली थी जीत

इससे पहले भारतीय टीम ने प्रतियोगिता में एक और बड़ा उलटफेर करते हुए सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में अपनी जगह पक्की की थी। इस जीत के साथ भारत को टूर्नामेंट में अपना दूसरा पदक भी मिला। इससे पहले शनिवार को प्रवीण जाधव ने कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर देश के पदकों का खाता खोला था।

रायपुर में रोमांचक मुकाबले में आरसीबी की मुंबई पर करीबी जीत

रायपुर,11 मई 2026। इंडियन प्रीमियर लीग के एक बेहद रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हरा दिया। यह मुकाबला रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया,जहां आखिरी गेंद तक रोमांच बना रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 166 रन बनाए। टीम की शुरुआत सामान्य रही, लेकिन बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से बड़ा स्कोर नहीं बन सका। हालांकि,मुंबई ने प्रतिस्पर्धी लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की शुरुआत भी आसान नहीं रही। टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, लेकिन मैच अंत तक पहुंचा और आखिरी ओवर तक रोमांच बरकरार रहा। आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। आखिरी गेंद पर जीत के लिए आरसीबी को 2 रन चाहिए थे। दबाव भरे इस पल में भुवनेश्वर कुमार और रसिक डार ने संयम दिखाते हुए जरूरी 2 रन पूरे किए और टीम को रोमांचक जीत दिला दी।

हालांकि, मैच के दौरान एक विवाद भी सामने आया। रिपोर्ट्स के अनुसार आरसीबी के स्टार खिलाड़ी टिम डेविड के व्यवहार को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मैच के दौरान उनकी कुछ हरकतों को लेकर इसे 'बदतमीज़ी' बताया जा रहा है,जिस पर सोशल मीडिया और क्रिकेट प्रेमियों के बीच बहस छिड़ गई है। मैच के बाद दोनों टीमों के प्रदर्शन की जमकर चर्चा हो रही है, लेकिन टिम डेविड का यह व्यवहार भी सुर्खियों में बना हुआ है। आरसीबी की इस जीत से टीम को महत्वपूर्ण अंक मिले हैं, जबकि मुंबई इंडियंस को एक और करीबी हार का सामना करना पड़ा है। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह मैच आईपीएल 2026 के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक रहा, जिसमें आखिरी गेंद तक परिणाम अनिश्चित था।

लखनऊ आईपीएल 2026 से बाहर,चेन्नई ने 5 विकेट से दी मात

नई दिल्ली,11 मई 2026। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 53वें मैच में,चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को पांच विकेट से मात दे दी। एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 203 रन बनाए।

जवाब में चेन्नई ने 19.3 ओवर में ही 5 विकेट खोकर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। इस हार के साथ लखनऊ आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई। जबकि चेन्नई 11 मैच में 6 जीत के साथ अंक तालिका में 5वें स्थान पर पहुंच गई। जिससे उनके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं काफी ज्यादा बढ़ गई है। चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से उर्विल पटेल ने आईपीएल इतिहास की ज्वाइंट फास्टेस्ट फिफ्टी जड़कर बड़े चेज की नींव रख दी। उन्होंने 13 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया और 23 गेंद में 8 छक्के और 2 चौके की मदद से 64 रन बनाकर आउट हो गए।

आईपीएल के बीच ऑस्ट्रेलिया ने वनडे और टी20 टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली,11 मई 2026। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ आगामी व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। जिसमें अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को स्क्वाड से बाहर रखा गया है। हालांकि ये तीनों खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ने इस दौरे के लिए कई नए चेहरों को टीम में शामिल किया है। जिसमें अंडर-19 विश्व कप 2026 के कप्तान ओली पीक और ऑलराउंडर लियाम स्कॉट के नाम शामिल हैं। इन दोनों खिलाडियों को पाकिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है। मिशेल मार्श पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ सभी व्हाइट-बॉल मैचों में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं,अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के लिए टी20आई टीम में कोई जगह नहीं है। वनडे कप्तान कमिंस,हेजलवुड और स्टार्क न तो पाकिस्तान और न ही बांग्लादेश के दौरे पर खेलेंगे। रिपोर्ट के अनुसार ये तीनों तेज गेंदबाज अब अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि जिन ऑस्ट्रेलियाई खिलाडियों की टीमें आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना रखती हैं,वे पाकिस्तान में होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर रहेंगे। बता दें कि पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज 30 मई से शुरू होगी। जबकि आईपीएल 2026 का फाइनल मैच 31 मई को खेला जाना है। ट्रैविस हेड (सनराइजर्स हैदराबाद),कूपर कोनोली, जेवियर बार्टलेट और बेन ड्वार्शुइस (पंजाब किंग्स) और कैमरून ग्रीन अपनी आईपीएल प्रतिबद्धताएं पूरी होने के बाद,तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बांग्लादेश में टीम के साथ जुड़ेंगे.मैथ्यू शॉर्ट ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में अपनी जगह बरकरार रखी है,लेकिन हेड,कोनोली,बार्टलेट और ड्वार्शुइस की वापसी के चलते उन्हें बांग्लादेश दौरे की टीम से बाहर कर दिया गया है।

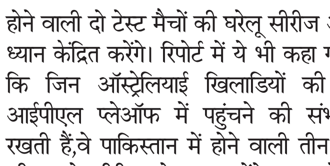

पाकिस्तान के लिए ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम
मिशेल मार्श (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, रिले मेरेडिथ, ओलिवर पीक, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, मैट शॉर्ट, बिली स्टेनलेक, एडम जम्पा।

बांग्लादेश के लिए ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम
मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, एडम जम्पा

बांग्लादेश के लिए ऑस्ट्रेलिया की टी20आई टीम
मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, जोएल डेविस, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मैथ्यू कुहनेमैन, रिले मेरेडिथ, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, एडम जम्पा।

दीपक पूनिया 92 किग्रा फाइनल में पहुंचे

गोंडा,11 मई 2026। उत्तर प्रदेश के गोंडा में रविवार से शुरू हुए राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में देशभर के पहलवानों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के पहले ही दिन एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 92 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बना ली। दीपक पूनिया ने पूरे मुकाबलों के दौरान बिना कोई अंक गंवाए फाइनल तक का सफर तय किया, जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस का स्तर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उनके आक्रामक और तकनीकी खेल ने दर्शकों को काफी प्रभावित किया। फाइनल तक पहुंचने के दौरान उन्होंने अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। टूर्नामेंट में देशभर से बड़ी संख्या में पहलवानों की भागीदारी देखने को मिली,जिससे आयोजन में भीड़ और प्रतिस्पर्धा दोनों का स्तर बढ़ गया है। हालांकि पहले ही दिन आयोजन स्थल पर व्यवस्थागत चुनौतियां सामने आईं, जिनकी वजह से मुकाबलों की समय-सारणी प्रभावित हुई। जानकारी के अनुसार,अधिक संख्या में खिलाड़ियों के पंजीकरण और लॉजिस्टिक से जुड़ी समस्याओं के कारण कार्यक्रम में देरी देखने को मिली। मैट की उपलब्धता,मैचों के क्रम और खिलाड़ियों के वजन मापन जैसी प्रक्रियाओं में समय अधिक लगने से आयोजन का संचालन प्रभावित हुआ। इसके बावजूद आयोजकों ने स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की और मैचों को सुचारु रूप से आगे बढ़ाया। अधिकारियों का कहना है कि अगले दिनों में व्यवस्थाओं को और बेहतर किया जाएगा ताकि प्रतियोगिता बिना किसी बाधा के पूरी हो सके। दीपक पूनिया का प्रदर्शन टूर्नामेंट का प्रमुख आकर्षण बना हुआ है। उनके फाइनल में पहुंचने के बाद अब उनसे स्वर्ण पदक की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कुश्ती जगत में उन्हें देश के शीर्ष पहलवानों में गिना जाता है और इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उनकी तैयारी को दर्शाता है।

15 दिन में वेतन दो वरना कार्रवाई...

सेंट्रल यूनिवर्सिटी पर हाईकोर्ट सख्त आदेश नहीं मानने पर फटकार

बिलासपुर,11 मई 2026। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के नियमितीकरण और वेतन भुगतान को लेकर सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस बीडी गुरु की एकल पीठ ने अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को 15 दिनों के भीतर कर्मचारियों को नियमित पद के अनुसार वेतन भुगतान करने का अल्टीमेटम दिया है। सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि विश्वविद्यालय की विशेष अनुमति याचिका और पुनर्विचार याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही खारिज कर दिया है। इसके बावजूद प्रशासन द्वारा कर्मचारियों को नियमित पद का लाभ और बकाया देयकों का भुगतान नहीं किया गया। कर्मचारियों ने इसे न्यायालय की स्पष्ट अवमानना बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट को बताया कि 6 मार्च 2023 के आदेश के अनुसार,इन कर्मचारियों का नियमितीकरण 26 अगस्त 2008 से प्रभावी माना जाना चाहिए और उन्हें नियमित कर्मचारियों की भांति सभी वित्तीय लाभ मिलने चाहिए। विश्वविद्यालय की ओर से दलील दी गई कि दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया के कारण देरी हो रही है। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिया कि विश्वविद्यालय 12 मई तक सभी आवश्यक पत्राचार याचिकाकर्ताओं को उपलब्ध कराए। इसके बाद कर्मचारी एक सप्ताह के भीतर दस्तावेज जमा करेंगे और अगले 15 दिनों में सत्यापन प्रक्रिया पूरी कर वेतन भुगतान शुरू करना होगा।

राजधानी रायपुर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति को मिला नया गौरव : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,11 मई 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं के साथ गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से वर्चुअली जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई पूजा - अर्चना का अवलोकन कर उनका संबोधन सुना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान सोमनाथ मंदिर के स्वर्णिम इतिहास, विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए हमलों, मंदिर के पुनरनिर्माण यात्रा, वर्तमान सरकार द्वारा किये जा रहे आस्था के केंद्रों का संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प सहित विभिन्न विषयों पर अपनी बातें देशवासियों से साझा की। मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेशवासियों को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 75 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ था और इसी ऐतिहासिक अवसर को देशभर में स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर अनेक बार बाहरी आक्रांताओं द्वारा हमले किए गए, लेकिन मंदिर की आस्था और परंपरा को समाप्त नहीं किया जा सका। साय ने कहा कि पहली बार आक्रमण के दौरान मंदिर के पुजारियों और श्रद्धालुओं ने मंदिर नहीं छोड़ा तथा अपने प्राणों का बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका त्याग आज भी इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। साय ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के बाद तत्कालीन गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि उस समय देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने तमाम विरोधों के बावजूद सोमनाथ मंदिर पहुंचकर पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लिया था। साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को नया गौरव मिला है। उन्होंने कहा कि आज देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों का विकास तेजी से हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बनारस के काशी विश्वनाथ, उज्जैन स्थित महाकाल से लेकर सोमनाथ मंदिर तक व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में देवी माताओं के मंदिरों को शक्तिपीठ योजना के माध्यम से विकसित किया जा रहा है। इसी तरह कबीरधाम जिले में स्थित भोरमदेव महादेव मंदिर को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 148 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है और यहां पर्यटन सुविधाओं के विस्तार और सौंदर्यीकरण के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि और भगवान श्रीराम का ननिहाल है। सनातनियों के लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या के मंदिर में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 40 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं और यह योजना लगातार जारी है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के अंत में सभी लोगों से भाईचारे, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की एकता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में सनातन संस्कृति और आस्था केंद्रों के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य लगातार हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे मुखिया भी प्रदेश में धार्मिक स्थलों के संरक्षण के साथ ही विभिन्न योजनों के माध्यम से लोगों को आस्था से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सोमनाथ मंदिर देश की संस्कृति, वैभव और स्वाभिमान का प्रतीक है।

12वीं हिंदी पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड गिरफ्तार

3 हजार में बेचे थे प्रश्नपत्र,डिजिटल सबूत मिटा रहा था...

रायपुर,11 मई 2026। छत्तीसगढ़ बोर्ड की 12वीं कक्षा के हिंदी पेपर लीक मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। राजधानी की क्राइम ब्रांच और कोतवाली थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी वेणु जंघेल को बिलासपुर से गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस को चकमा देने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था पर्चा : दरअसल,12वीं बोर्ड की परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले हिंदी का प्रश्न पत्र सोशल मीडिया के अलग-अलग ग्रुप्स में तेजी से तैरने लगा था। देखते ही देखते खबर आग की तरह फैल गई, जिससे स्कूल शिक्षा विभाग और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए रायपुर के कोतवाली थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

एसआईटी की जांच और टेक्निकल इनपुट : मामले की तह तक जाने के लिए पुलिस उपायुक्त (मध्य क्षेत्र) ने फौरन एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया। मैदानी सूत्रों ने बताया कि पुलिस की साइबर यूनिट ने जब टेक्निकल जांच शुरू की, तो कड़ियां जुड़ती चली गईं। पुलिस को पता चला कि यह कोई छोटी-मोटी चूक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया बड़ा खेल था।

3,000 रुपये में बिक रहा था भविष्य : पूछताछ में जो खुलासे हुए हैं, वे बेहद चौंकाने वाले हैं। आरोपी वेणु जंघेल मूल रूप से बेमेतरा जिले के बरसाना का रहने वाला है,जो रायपुर के गोकुल नगर इलाके में रहकर अपना नेटवर्क चला रहा था। आरोपी सीधे छात्रों के संपर्क में रहता था। एक-एक पेपर के लिए छात्रों से 3,000 रुपये वसूले जा रहे थे। डिजिटल माध्यमों से पेपर को फॉरवर्ड किया जाता था ताकि पहचान छुपी रहे।

बिलासपुर में बिछाया गया जाल

एफआईआर दर्ज होने के बाद से ही वेणु फरार था। रायपुर क्राइम ब्रांच की टीम ने बिलासपुर में लोकेशन ट्रेस की और घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। गौरतलब है कि पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि वेणु के पास पेपर कहाँ से पहुँचा? क्या इसमें शिक्षा विभाग के किसी कर्मचारी की संलिप्तता है? पुलिस को शक है कि इस गिरोह के तार प्रदेश के अन्य जिलों से भी जुड़े हो सकते हैं।

सामूहिक निलंबन से प्राचार्य फेडरेशन नाराज,कहा-

कलेक्टर को प्राचार्यों के निलंबन का अधिकार नहीं,आंदोलन की दी चेतावनी

रायपुर,11 मई 2026। बोर्ड परीक्षा के खराब परिणामों के आधार पर बालोद कलेक्टर ने जिले के 8 प्राचार्यों को निलंबित कर दिया है। इसके विरोध में छत्तीसगढ़ प्राचार्य फेडरेशन की आपात बैठक आयोजित की गई। बैठक में इस कार्रवाई को एकतरफा, अधिकार क्षेत्र से परे तथा प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के प्रतिकूल बताया गया।

परीक्षा परिणाम में कमी कदाचरण नहीं : फेडरेशन ने स्पष्ट किया कि केवल परीक्षा परिणाम में कमी को गंभीर कदाचार मानकर निलंबन की कार्रवाई करना सेवा नियमों की भावना के अनुरूप नहीं है। बैठक में यह भी कहा गया कि प्राचार्य पद के नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी शासन है। प्रचलित नियमों के अनुसार प्राचार्यों के निलंबन संबंधी निर्णय शासन स्तर पर ही लिया जाना चाहिए। अतः कलेक्टर द्वारा जारी निलंबन आदेश विधिसम्मत प्रतीत नहीं होता।

शिक्षा मंत्री से मुलाकात करेगा फेडरेशन : प्राचार्य फेडरेशन ने यह भी निर्णय लिया है कि इस विषय पर शिक्षा मंत्री एवं विभागीय सचिव से भेंट कर उक्त कार्रवाई को निरस्त करने की मांग की जाएगी। यदि शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस बैठक में संरक्षक कमल वर्मा प्रांतीय संयोजक कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन, एम आर खान प्रदेश अध्यक्ष, अनुराग ओझा, धर्मेंद्र सिंह ठाकुर, चमेली वर्मा, डॉक्टर भारती अग्रवाल, डॉ अनुपमा श्रीवास्तव, सुनीता टेंभुणे, आर पी दास, विश्वास गोवर्धन, के एल मतावले, संतोष शर्मा आदि उपस्थित रहे।

चुनाव ड्यूटी से लौटा सीएएफ जवान घर में फांसी पर लटकी मिली

धमतरी,11 मई 2026। धमतरी छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल जवान के आत्मत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शहर की पिंक सिटी कॉलोनी में किराए के मकान पर जवा की लाश फांसी पर लटकी मिली है. मृतक की पहचान जागेश्वर प्रसाद के रूप में हुई है, जो भटगांव का निवासी है। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है. पूरा मामला कोतवाली थाना इलाके का है। जानकारी के मुताबिक,जागेश्वर प्रसाद सूरजपुर में पदस्थ था। हाल ही में वह बंगाल और असम चुनाव ड्यूटी से छुट्टी लेकर वापस आया हुआ था। जवान के आत्मघाती कदम से विभाग में हड़कंप मच गया है। सूचना के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो जागेश्वर प्रसाद का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। शव को सुरक्षित नीचे उतारकर पंचनामा की कार्रवाई की गई,जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया गया है। घटना के संबंध में पड़ोसियों और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि जवान को शराब पीने की लत थी। परिजनों ने उसे शराब सेवन करने से मना किया था। इसी बात को लेकर घर में विवाद हुआ, जिसके बाद उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है. पुलिस आत्महत्या के कारणों की पुष्टि करने में जुटी हुई है।

अमित शाह के दौरे को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह का बयान,कहा...

छत्तीसगढ़ के विकास की भूमिका होगी तय

रायपुर,11 मई 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 19 मई को छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। बस्तर जिले के जगदलपुर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें 4 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। इसको लेकर छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास की भूमिका तय होगी। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास की भूमिका तय होगी। अन्य राज्य के मुख्यमंत्री भी देखेंगे कि छत्तीसगढ़ और बस्तर कैसा विकसित हो रहा है। वहीं उन्होंने नक्सलवाद के खात्मे को लेकर कहा कि नक्सलवाद खात्मे को लोग असंभव मानते थे वह संभव हुआ है।

भाजपा नेत्री ने भाई की शादी में चलाई गोलियां

लड़कियां-बच्चे भी बंदूक के साथ दिखे,कांग्रेस बोली-कानून व्यवस्था बिगड़ी

रायपुर,11 मई 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में शादी समारोह के दौरान खुलेआम हर्ष फायरिंग का मामला सामने आया है। भाजपा नेत्री और मंडी सदस्य मोनिका सिंह के परिवार से जुड़े कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में भाजपा नेत्री के पति के साथ हवाई फायरिंग करती नजर आ रही है। बच्चे,लड़कियां और महिलाएं भी हथियार लहराते दिख रहे हैं। 'धुरंधर' फिल्म के गाने पर रील बनाकर वीडियो पोस्ट किया गया है। हर्ष फायरिंग के वी?डियो पर पुलिस ने कहा, शिकायत नहीं मिली है,लेकिन पूरे मामले की जांच कराएंगे। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति बिगड़ी हुई है। कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए सरकार को सख्त उठाना चाहिए। जानकारी के मुताबिक, मामला रायपुर के एक शादी समारोह का है, जहां भाजपा नेत्री मोनिका सिंह के भाई प्रतीक की शादी थी। समारोह में रिश्तेदारों और मेहमानों की मौजूदगी में जमकर हवाई फायरिंग की गई। वायरल वीडियो में मोनिका सिंह के पति ऋतुपर्ण सिंह के साथ लड़कियां और महिलाएं भी बंदूक और पिस्टल से फायर करते दिखाई दे रही हैं। कार्यक्रम में डीजे और फिल्मी गानों के बीच हथियारों का प्रदर्शन भी किया गया।

प्रदेश में कानून व्यवस्था बिगड़ी : कांग्रेस

कांग्रेस प्रवक्ता अभय नारायण ने कहा, जिन लोगों के पास लाइसेंस है। उनको लाइसेंस देना क्या जरूरी है। किस उपयोग के लिए उन्हें लाइसेंस दिया गया है। उसका सही उपयोग हो रहा है या नहीं हो रहा है। इसकी जांच पूरे प्रदेश में होनी चाहिए। लॉ एंड ऑर्डर को सुधारने के लिए सरकार को सख्त उठाना चाहिए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर लोग सवाल उठा रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि राजधानी में खुलेआम हथियारों से फायरिंग करना कानून-व्यवस्था को चुनौती देने जैसा है। कई लोगों ने यह भी लिखा कि आम लोगों पर कार्रवाई करने वाली पुलिस प्रभावशाली लोगों के मामलों में नरमी बरतती नजर आती है।

चतुर्थ श्रेणी के शासकीय कर्मचारी हैं ऋतुपर्ण सिंह

बताया जा रहा है कि ऋतुपर्ण सिंह बिलासपुर में चतुर्थ श्रेणी के शासकीय कर्मचारी हैं। उनकी पत्नी मोनिका सिंह भाजपा से जुड़ी हुई हैं और वर्तमान में मंडी सदस्य के पद पर कार्यरत हैं। शादी समारोह में हुई फायरिंग का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा शुरू हो गई है।

भाजपा नेता के करीबी है ऋतुपर्ण सिंह

रायपुर में साले की शादी में हर्ष फायरिंग करने वाले ऋतुपर्ण सिंह भाजपा नेता सौरभ सिंह के करीबी बताए जा रहे हैं। ऋतुपर्ण सिंह पर आरोप है कि पहले भी वो बीजेपी नेता के परिजनों की शादी में हर्ष फायरिंग कर चुके हैं। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच करने की बात कह रही है।

20 मई को दवा दुकानें रहेंगी बंद,दवा विक्रेताओं ने सरकार को सौंपा ज्ञापन

रायपुर,11 मई 2026। जिला दवा विक्रेता संघ रायपुर ने 20 मई को प्रस्तावित एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी दवा व्यापार बंद की घोषणा की है। इस संबंध में संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर औषधि व्यापार और जनस्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है। संघ के अध्यक्ष विनय कृपलानी और सचिव संजय रावत ने बताया कि यह बंद ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर किया जा रहा है। संगठन देशभर के 12.40 लाख से अधिक केमिस्ट और दवा वितरकों का प्रतिनिधित्व करता है। दवा विक्रेताओं ने प्रदेशभर में औषधि विभाग द्वारा चलाए जा रहे पखवाड़े भर के जांच अभियान पर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि लगातार कार्रवाई और नियमों के दबाव से छोटे व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। संघ ने अपनी प्रमुख मांगों में अवैध ई-फार्मेसी संचालन पर रोक,बड़े कॉरपोरेट्स द्वारा अत्यधिक छूट आधारित प्रिडेटोरी प्राइसिंग पर नियंत्रण तथा अधिसूचना क्र.स. 220(ई) और क्र.स. 817(ई) को वापस लेने की मांग शामिल की है। पदाधिकारियों का कहना है कि अनियंत्रित ई-फार्मेसी और भारी डिस्काउंट वाली व्यवस्था से पारंपरिक दवा व्यापार प्रभावित हो रहा है,जिससे छोटे और मध्यम दवा विक्रेताओं के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। साथ ही बिना डॉक्टर के पर्चे के दवाओं की बिक्री, एंटीबायोटिक्स और नशीली दवाओं की आसान उपलब्धता, नकली प्रिस्क्रिप्शन और गलत भंडारण जैसी समस्याएं जनस्वास्थ्य के लिए खतरा बन रही हैं। संघ ने कहा कि कोविड-19 के दौरान लागू की गई अधिसूचना क्र.स. 220(ई) की अब आवश्यकता समाप्त हो चुकी है,लेकिन इसका दुरुपयोग जारी है। इससे ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स नियमों के तहत जरूरी सुरक्षा प्रावधान कमजोर पड़ रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन इस महीने के आखिरी सप्ताह तक

रायपुर,11 मई 2026। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन इस महीने के आखिरी सप्ताह तक होने की संभावना है। बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ से पांच नेताओं को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश 12 मई को प्रदेश दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के शीर्ष नेताओं से बैठक कर इस विषय पर चर्चा कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल और भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय कार्यकारिणी के पदेन सदस्य रहेंगे। इसके अलावा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अन्य पांच सदस्यों के नाम तय करेंगे। कोंडागांव विधायक और पूर्व मंत्री लता उसेंडी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है।

रायपुर के लक्ष्य ज्वेलर्स में 1 करोड़ की चोरी देर-रात चोरों ने सोने-चांदी के जेवर किए पार

रायपुर,11 मई 2026। रायपुर में लक्ष्य ज्वेलर्स में भारी मात्रा में ज्वेलरी की चोरी हुई है। शनिवार देर-रात चोरों ने ज्वेलरी दुकान को निशाना बनाते हुए करीब एक करोड़ रुपए के जेवरात पार कर दिए। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार, शनिवार और रविवार की रात करीब 12:30 बजे चोर लक्ष्य ज्वेलरी शॉप में घुसे और दुकान से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। रविवार को दुकान बंद होने के कारण इसकी जानकारी कारोबारी को नहीं हुई। सोमवार सुबह शॉप खोलने पर चोरी का पता चला।

मौके पर पहुंची पुलिस और क्राइम ब्रांच : सूचना मिलने के बाद खम्हारडीह थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस दुकान और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है, जिससे चोरी से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा सकें। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)